समाज विकास

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का मुखपत्र

• जून २०२१ • वर्ष ७२ • अंक ०६

मूल्य : ₹ १० प्रति, वार्षिक ₹ १००

२० जून २०२१ को जूम के माध्यम से आयोजित अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक में पदाधिकारी-सदस्यगण।

२७ जून २०२१ को जूम के माध्यम से आयोजित डॉ. श्याम सुन्दर हरलालका लिखित पुस्तक 'असम की मारवाड़ी जाति का इतिहास के विमोचन समारोह में (उपर; बायें से) डॉ. श्याम सुन्दर हरलालका, श्री अशोक अग्रवाल, श्री श्याम सुन्दर भीमसरिया, श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया, श्री सीताराम शर्मा, (नीचे, बायें से) श्री संतोष सराफ, श्री संजय हरलालका, श्री उमेश खण्डेलिया एवं श्री राजकुमार सराफ।

इस अंक में :

- **अध्यक्षीय:** कर्म ही धर्म है !
- **सम्पादकीय:** विचारों की ऊर्जा से पूरी सृष्टि प्रभावित होती है !
- **रपट:** राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक; वेबिनार : कोरोना की दूसरी लहर; पुस्तक विमोचन; बिहार, पूर्वोत्तर एवं पश्चिम बंग सम्मेलन की गतिविधियाँ
- **श्रद्धांजलि:** स्व. गीतेश शर्मा

COMPLETE ELECTRICAL SOLUTION
GARODIA
ELECTRICAL WIRES
FANS AND LIGHTS
LT PANEL, CABLE TRAY AND TRANSFORMER
WE MANUFACTURE
POWER TRANSFORMER
DISTRIBUTION TRANSFORMER
LT ELECTRICAL PANEL
PERFORATED CABLE TRAY
LADDER-TYPE CABLE TRAY
GARODIA ENTERPRISES
AARNAV POWERTECH
MARKET ROAD EAST, UPPER BAZAR
RANCHI - 834 001, JHARKHAND
www.aarnavpowertech.com
garodia@garodiagroup.com
0651-2205996

समाज विकास

◆ जून २०२१ ◆ वर्ष ७२ ◆ अंक ०६
◆ एक प्रति - ₹१० ◆ वार्षिक - ₹१००

अनुक्रमणिका

शीर्षक — पृष्ठ संख्या

- **सम्पादकीय : शिव कुमार लोहिया** ४-५
  विचारों की ऊर्जा से पूरी सृष्टि प्रभावित होती है!
- **अध्यक्षीय : गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया** ७
  कर्म ही धर्म है!
- **रपट –**
  राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक ८-९
  वेबिनार : कोरोना की दूसरी लहर १०
- **श्रद्धांजलि – स्वर्गीय गीतेश शर्मा** १३-१५
- **रपट –**
  पुस्तक विमोचन १६
  बिहार सम्मेलन की गतिविधियाँ १७
  गुवाहाटी महिला शाखा की अनूठी पहल १८
  प. बंग सम्मेलन के कोरोना-राहत सेवाकार्य १९-२०
- **देव-स्तुति : डॉ. जुगल किशोर सर्राफ** २३
- सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत २४-३०

स्वत्वाधिकारी

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
All India Marwari Federation

प्रशासनिक एवं सम्पर्क कार्यालय : **४बी, डकबैक हाउस, ४१, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता - ७०००१७**
फोन : ०३३-४००४ ४०८९

पंजीकृत कार्यालय : १५२बी (द्वितीय तल), महात्मा गांधी रोड कोलकाता - ७००००७

◆ email: aimf1935@gmail.com
◆ Website : www.marwarisammelan.com

स्वत्वाधिकारी ऑल इण्डिया मारवाड़ी फेडरेशन के लिये **श्री भानीराम सुरेका** द्वारा ऑल इण्डिया मारवाड़ी फेडरेशन, ४बी, डकबैक हाउस (४ तल्ला), कोलकाता-१७ से प्रकाशित तथा सी.डी.सी. प्रिंटर्स प्रा. लि., ४५, राधानाथ चौधरी रोड, कोलकाता - ७०००१५ से मुद्रित।

◆ प्रेरक संपादक : सीताराम शर्मा ◆ सम्पादक : शिव कुमार लोहिया

प्रकाशित रचनाओं से सम्पादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
4बी, डकबैक हाउस (चौथा तल्ला)
41, शेक्सपियर सारणी, कोलकाता-700 017

समाज से सादर निवेदन

वैवाहिक अवसर पर मद्यपान करना - कराना धार्मिक एवं सामाजिक दोनों रूप से उचित नहीं है।

प्री-वेडिंग शूट हमारी सभ्यता एवं संस्कृति के खिलाफ है।

समाजहित में इनसे परहेज करें।

निमंत्रण में ई-कार्ड को बढ़ावा दें।

बधाई!

बरपेटा रोड (असम) निवासी श्रीमती सरला देवी शर्मा एवं श्री नागरमलजी शर्मा की सुपुत्री डॉ. श्वेता शर्मा (धर्मपत्नी डॉ. नरेंद्र शर्मा, कोकराझार) द्वारा लिखित 'कॉस्ट एकाउंटेंसी' विषय पर पुस्तक गुवाहाटी विश्वविद्यालय, डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय एवं असम विश्वविद्यालय के बी.कॉम. कोर्सों में शिक्षण के लिए चयनित हुई है।

विदुषी डॉ. श्वेता शर्मा गुवाहाटी कॉमर्स कॉलेज के अकाउंटेंसी विभाग में असिस्टेंट प्रोफेसर के रूप में कार्यरत हैं और उन्होंने यह पुस्तक तीन अन्य विद्वानों के साथ मिलकर लिखी है। ज्ञातव्य है कि डॉ. श्वेता के पिता श्री नागरमल शर्मा पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन के सलाहकार हैं और माता श्रीमती सरला देवी शर्मा पूर्वोत्तर सम्मेलन की प्रांतीय कार्यकारिणी की पूर्व सदस्या है।

इस गरिमामयी उपलब्धि पर कोटिशः बधाइयाँ देते हुए, अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन परिवार डॉ. श्वेता शर्मा की उत्तरोत्तर प्रगति एवं उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना करता है!

विचारों की ऊर्जा से पूरी सृष्टि प्रभावित होती है!

भगवान बुद्ध ने कहा है – **हम जो कुछ भी हैं, वह हमने आज तक क्या सोचा, इस बात का ही परिणाम है**। **स्वामी विवेकानंद** ने हमारे सोच के महत्व को बताते हुए कहा - **"हम वह है जो हमें हमारी सोच ने बनाया है"**। इसलिए इसका ध्यान रखिए कि आप क्या सोचते हैं। शब्द गौण हैं, विचार रहते हैं। वे दूर तक यात्रा करते हैं। विचार दिमाग की प्रक्रिया है, जो हर समय चलती रहती है। हम यही समझते हैं कि हवा के झोंकों की तरह कुछ बात मन में उठती है और सागर के लहरों की तरह विलीन हो जाती है। हवा और सागर के लहरों की तरह मन के वेग से उत्पन्न हुए विचारों में भी अपार शक्ति है। पर संवेदनशीलता के अभाव में हम इसका अनुभव नहीं कर पाते। विज्ञान अब पूरी तरह मानने लगा है कि विचार एक ऊर्जा है और बहुत ही शक्तिशाली है। यह एक अति सूक्ष्म ऊर्जा है। वैज्ञानिकों का मानना है कि इस अदृश्य एवं सूक्ष्म ऊर्जा से पदार्थ को आसानी से प्रभावित किया जा सकता है। हाल ही में रूस के वैज्ञानिकों ने प्रयोग करके सिद्ध कर दिया है कि विचार के परमाणु पदार्थ के परमाणु को आसानी से प्रभावित कर देते हैं। विचार के परमाणु में वेग अधिक होता है और पदार्थ के परमाणु में स्थूल होने के कारण वेग कम रहता है। पदार्थ के छोटे-छोटे अणुओं में प्रचंड शक्ति रहती है। यह विस्फोट के समय निकलने वाली ऊर्जा से पता चल जाता है। विचारों के तरंग प्रकाश, ताप, ध्वनि एवं विद्युत के तरंगों की तरह ही शक्तिशाली होते हैं। शिकागो का एक विलक्षण व्यक्ति ट्रेड सीरियस इस बात के लिए विश्वविख्यात है कि उसकी कल्पनाएँ फोटो में साकार हो उठती हैं। यह फोटो खुली आँखों से भले ही ना देखा जा सके पर सूक्ष्मदर्शक यंत्रों से देखा जा सकता है। चूँकि कल्पना भी एक विचार ही है, विचारों के आकार का भी पता चलता है। शायद इसीलिए आइंस्टीन ने कहा था कि जो तुम पदार्थ देखते हो वह तरंग है, उर्जा है क्योंकि पदार्थ की अंतिम परिणति ऊर्जा है। पदार्थ से ही ऊर्जा बनती है। दोनों एक दूसरे के पूरक हैं।

सबसे महत्वपूर्ण बात है कि हम अगर विज्ञान की मानें कि उर्जा का नाश नहीं किया जा सकता, उसका रूपांतरण हो सकता है तो प्रत्येक व्यक्ति को सोचना होगा कि वह विचारों के द्वारा जिस ऊर्जा का निर्माण कर रहा, वह नष्ट नहीं होती। वह वातावरण में मंडराता रहती है और हमें एवं हमारे पर्यावरण को प्रभावित करती है। इन बातों से यह अवधारणा स्पष्ट रूप से उभर कर आती है कि हम अपने विचारों के द्वारा हमारे जीवन के साथ-साथ पूरे विश्व को एवं उसके पर्यावरण को प्रभावित करने की क्षमता रखते हैं। हम सभी जानते हैं कि विचार सकारात्मक एवं नकारात्मक दो प्रकार के होते हैं। **विचार मनुष्य की संपत्ति है। विचार से सत्य-असत्य, हित-अहित का विश्लेषण करने की प्रवृत्ति पुष्ट होती है**। इधर मन के विकार से काम, क्रोध, लोभ, ईर्ष्या आदि मनोवेग पनपते हैं। इस बात को समझने की आवश्यकता है कि विचार-प्रक्रिया से हम इतनी ऊर्जा पैदा कर सकते हैं कि व्यक्ति किसी की हत्या एवं स्वयं की आत्महत्या तक कर सकता है। विचार जब मन में बार-बार उठता है तो वह भावना का रूप धारण करता है। भावना संस्कार बनते हैं। भावना यानि मन की प्रवृत्ति। शुद्ध पवित्र और निर्मल भावना जीवन के विकास का उज्ज्वल मार्ग प्रशस्त करती है। जब हमारा मन एकाग्र होता है तो वह ताकतवर साधन के रूप में बदल जाता है। **स्वामी विवेकानंद** ने इस एकाग्रता को मनुष्य जीवन के उत्थान के विषय में प्रयोग करने के लिए कहा था - **"तुम जो सोच रहे हो उसे अपनी जिन्दगी का विचार बनाओ, उसके बारे में सोचो, उसके लिए सपने देखो, उस विचार के साथ जीयो। तुम्हारे दिमाग में, तुम्हारी माँसपेशियों में, तुम्हारी नसों में, तुम्हारे शरीर के हर हिस्से में वह विचार भरा होना चाहिए। यही सफलता का सूत्र है"**। इस संदर्भ में हम वर्तमान मनुष्य के विचारों के विषय में चर्चा करेंगे तो पायेंगे कि ज्यादातर लोगों में विचारों की एकाग्रता सकारात्मक होने की जगह नकारात्मक रूप में पनप रही है। जैसे पेट में जितना खराब भोजन डालते जायेंगे, आपके शरीर का पूरा स्वास्थ्य प्रभावित होगा, उसी प्रकार आप जीवन में जैसी धारणाएँ बनायेंगे, जिस तरह का ज्ञान अर्जन करेंगे, जो प्राथमिकताएँ निर्धारित करेंगे, उन्हीं से प्रभावित होकर आपके विचार जन्म लेंगे। सर्वप्रथम मनुष्य का जीवन शिशु के रूप में प्रारंभ होता है। प्रथम से ही उससे यह अपेक्षा रहती है एवं परोक्ष या अपरोक्ष रूप से बता दिया जाता है कि उसे दूसरों को पीछे छोड़ते हुए श्रेष्ठ स्थान हासिल करना है। २५ वर्षों तक धन, पद, घर का नाम, कुल का नाम, यश के विषय में वह सुनता रहता है। इंटरनेट के कारण तरह-तरह की अन्य सामग्रियाँ उसे उपलब्ध हो जाती हैं, जोकि उसकी सोच को प्रभावित करती हैं। स्वयं की भाषा, संस्कृति, संस्कारों से बिलगाव रही-सही कमी को पूरा कर देता है। सर्वोपरि वह अपने इर्द-गिर्द पसरे माहौल से प्रभावित रहता है। **हमारे सोच से उपजे विचार हमारे जीवन की दिशा एवं दशा निर्धारित करते हैं**। विचार के अनुसार शब्द बनते हैं। उसके

अनुसार हम कार्य करते है, जोकि आदत में परिणत हो जाते हैं। हमारी आदतों के अनुसार ही हमारे भविष्य का निर्माण होता है।

मानव जीवन की प्रमुख समस्या है अज्ञानता एवं अहंकार। अहंकार का आधार संसार के अनित्य पदार्थों से तादात्म्य स्थापित करना है। अपने अहंकार के कारण वह शत्रु पैदा कर लेता है। उसके सोच एवं विचार उसके काबू से बाहर हो जाते हैं। वह अपनी सोच का गुलाम बन जाता है। अंततोगत्वा ऐसी परिस्थिति उत्पन्न हो जाती है कि वह स्वयं ही अपना शत्रु बन जाता है। इस प्रकार के व्यक्ति की सोच प्रदूषित होकर अपने वातावरण को भी हानि पहुँचाती है। गलत सोच के कुछ उदाहरण हम यहाँ प्रस्तुत करते हैं :

१. स्वार्थपरकता, झूठ बोलना।
२. शेखी बधारना, अपने मुँह मियां मिट्ठू बनना।
३. धार्मिक कर्मकांड एवं पाखंड में लिप्त रहना।
४. ईर्ष्या एवं दूसरों से अपने को श्रेष्ठ समझना।
५. जीने के लिए खाने की जगह खाने के लिए जीने की प्रवृत्ति रखना।
६. खाद्य पदार्थों में मिलावट एवं जंक फूड का प्रचलन।
७. दूसरों की खुशी से दुखी होना एवं दूसरों के दुख से खुश होना।
८. अपने से कमजोर एवं बुजुर्गों की अवहेलना करना।
९. व्यापार में सिर्फ धनोपार्जन को लक्ष्य बनाकर अनैतिक व्यवहार अपनाना।
१०. सहयोग, सद्भाव एवं सहकारिता की भावना का अभाव।
११. संबंधों की मर्यादा एवं मिठास का पालन नहीं करना।
१२. जीवन में, वाणी में एवं आचरण में संयम का अभाव।
१३. परिवार में बिखराव।

समाज में धोखाधड़ी, बलात्कार, अनैतिकता का बोल-बाला होता जा रहा है। कोर्ट-कचहरी में करोड़ों मामले लंबित पड़े हैं। यह हमारी प्रदूषित सोच एवं विचारों का प्रतिफल है। मनोविज्ञान का यह सिद्धांत है कि दूसरों के विनाश के विचार ही आत्मविनाश के विचारों में परिणत होते हैं। बाहर से कुछ और दीखते हैं पर अंदर से हमारे विचार कुछ और होते हैं। 'मुँह में राम बगल में छुरी' वाली कहावत यत्र-तत्र-सर्वत्र चरितार्थ हो रही है। हमारे जीवन की त्रासदी है कि हम अदृश्य, सूक्ष्म शक्तियों को महत्व नहीं देते। दिखाई देने वाले स्थूल स्तर पर जीते हैं। हम यह भूल जाते हैं कि हमारा शरीर करोड़ों-अरबों अणु-परमाणुओं से बना है। ये सारे अणु-परमाणु हमारे सोच से, हमारे खान-पान से, हमारे व्यवहार से एवं हमारी जीवनशैली से प्रभावित होते रहते हैं। यही कारण है कि बाहर से ऐशो-आराम में रहते हुए भी मनुष्य कष्ट, दर्द एवं दुख झेलता रहता है। चिमनी से निकलता हुआ धुआँ या गंदे नाली से निकलता हुआ जल पूरे वायुमंडल और नदी को प्रदूषित कर देता है। उसी प्रकार हमारे प्रदूषित विचारों के तरंग अदृश्य रूप से हमें प्रभावित करते हैं। फलस्वरूप नई-नई विसंगतियाँ एवं विकृतियाँ पनपती हैं जो पूरी मानव सभ्यता को अपने बाहुपाश में जकड़े जा रही हैं। अदृश्य शक्तियों का एक उदाहरण हम कोरोना वायरस के रूप में देख रहे हैं। अगर विश्व में व्याप्त हमारी विकृत मानसिकता का यह प्रतिफल हो तो मुझे कोई आश्चर्य नहीं होगा। कोरोना वायरस एक न एक दिन चला जाएगा। यह विश्व के कुछ प्रतिशत लोगों को ही संक्रमित कर पाएगा। इससे भी अधिक खतरनाक वायरस है हमारे इन विचारों का वायरस। यह वायरस कोरोना वायरस की तुलना में बहुत अधिक प्रतिशत लोगों को अपनी गिरफ्त में ले चुका है। इस वायरस की प्रगति अबाध रूप से आगे बढ़ रही है। गीता में भी स्पष्ट रूप से कहा गया है :–

त्रिविध नरेकस्येदं द्वारं नाशनमात्मनः।
कामः क्रोधस्तथा लोभस्तस्मादेतत्त्रयं तज्येत्।।

यानी काम, क्रोध एवं लोभ तीनों नरक के द्वार हैं। इनका त्याग करो। चिंतन का विषय है कि काम, क्रोध और लोभ तीनों विचारों से उत्पन्न होते हैं एवं पहले शरीर फिर अंत में पूरे जीवन को काले बादल की तरह आच्छादित कर लेते हैं। सांसारिक भोगों की अधिकता मानव के शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक शक्तियों को क्षीण कर देती है। जीवन में वासनाओं के कारण अनगिनत विचार उत्पन्न होते रहते हैं। विचारों की धारा हमारे जीवन की नदी को अशांत रखती है। **विचार दिमाग की प्रक्रिया है। दिमाग पर नियंत्रण हमारे विचारों की दिशा तय कर सकती है। जिस हृदय में या मन में विवेकसंपन्न विचारों का दीपक जलता है वह हृदय मंदिरतुल्य है। हमारे विचारों में जब नकारात्मकता एवं अपवित्रता बढ़ जाती है तो भय का जन्म होता है। इसके विपरीत सकारात्मक विचार कार्यक्षमता-एकाग्रता बढ़ाते हैं।**

मानव जीवन के महत्व को समझते हुए सूक्ष्म शक्तियों का उचित प्रयोग कर हम जीवन को अनेक विपदाओं से दूर रख सकते हैं। आधुनिक मनोविज्ञान की मौलिक खोज है कि आत्मनिर्देश से मनुष्य अपनी मानसिक और शारीरिक सभी प्रकार की कमजोरियों एवं बीमारियों पर काबू पा सकता है। कोरोना महामारी ने हमें यह स्मरण करवा दिया है कि हम स्वयं को जितना भी शक्तिशाली, बुद्धिमान, पदासीन, अर्थसम्पन्न कर लें; हम इस जगत के मालिक नहीं है, महज एक यात्री हैं। इस बात का स्मरण रहने से दम्भ एवं अहंकार स्वयं ही हमसे दूर रहेंगे। एक दूसरे से प्रतिस्पर्धा एवं ईर्ष्या की जगह एक दूसरे के साथ सहिष्णुता, सह-अस्तित्व एवं सहयोग की भावनाओं का उदय होगा। इस दिशा में हमें प्रगति करना होगा, यह समय की माँग है। इससे समाज में उत्पन्न होती नई-नई विसंगतियों से हमें त्राण मिलेगा।

शिव कुमार लोहिया

HAPPINESS COMES IN MANY COLOURS. FIND YOURS IN THE Happy Rainbow Box.

Kanoria Foundation
WORK WITH DEVOTION

Together We Make Tomorrow Happen

Srei, since three decades, has been in the business of financing infrastructure, developing projects and empowering entrepreneurs. Our Happy Rainbow Box is a collection of such happy and optimistic thoughts that have the potential to change the world for the better.

Infrastructure Project & Equipment Finance | Medical, IT, Agriculture & Mining Equipment Finance | Infrastructure Project Advisory, Development & Investments | Investment Banking | Insurance Broking

Log on to www.happyrainbowbox.com and #SpreadTheHappy

L&K | SAATCHI & SAATCHI

कर्म ही धर्म है !

– गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया

स्नेही-सुधी समाजबंधु,

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के बृहत्तर परिवार के सभी सदस्यों के स्वास्थ्य, प्रसन्नता एवं सम्पन्नता हेतु अशेष मंगलकामनायें ! परम पिता परमेश्वर वर्तमान प्रतिकूल परिस्थितियों से पूरे विश्व को त्राण दें, यही प्रभु से अनुनय है।

कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन।
मा कर्मफलहेतुर्भूर्मा ते संगोऽस्त्वकर्मणि।।

उपरोक्त श्लोक श्रीमद्भागवत गीता (द्वितीय अध्याय) का एक बहुचर्चित श्लोक है और इसके चार निहित संदेश हैं : १. कर्म करना हमारे हाथ में है। २. कर्म का फल किसी और के हाथ में है। ३. कर्मरत हों किन्तु फल की इच्छा या अपेक्षा न करें। ४. फल की इच्छा छोड़ने का यह अर्थ नहीं कि हम कर्म करना भी छोड़ दें।

यह मात्र भगवान श्रीकृष्ण का अर्जुन को दिया हुआ उपदेश नहीं है बल्कि इसकी प्रासंगिकता शाश्वत है और जीवन में सर्वदा अनुसरणीय है। **गोसाईं तुलसीदास जी** ने रामचरितमानस में लिखा है – **कर्म प्रधान विश्व रचि राखा। जो जस करिय तासु फल चाखा।।**

मात्र अपने प्रयासों से इच्छित परिणाम सदैव प्राप्त नहीं होते। दृष्टांत-रूप में यहाँ मैं खुद का ही एक अनुभव साझा करना चाहूँगा। अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष का पदभार ग्रहण करने के बाद, मेरी हार्दिक इच्छा थी कि मैं सभी प्रादेशिक शाखाओं का दौरा करूँ। कोरोनाजनित कारणों से मैं ऐसा न कर सका। ऐसी स्थितियों में हमें यह समझना होगा कि **'मैन प्रपोजेज, गॉड डिस्पोजेज'**। निराश-हतोत्साह न होकर, अपने लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए वैकल्पिक उपायों का सहारा लेना ही विवेकपूर्ण है। दौरा करने में स्वयं को असमर्थ पाकर, मैं दूसरे माध्यमों से हमेशा प्रादेशिक पदाधिकारियों एवं अन्य सदस्यों से सम्पर्क-समन्वय बनाये रखने का प्रयास करता हूँ।

सामाजिक क्षेत्र में कार्य करने हेतु स्वयं को प्रस्तुत करनेवालों की कमी आज स्पष्ट दृष्टिगोचर हो रही है। आम भावना यह हो गयी है कि अपने जीवन-यापन, व्यवसाय से मतलब रखो, सामाजिक कार्य एक 'थैंकलेस जॉब' है। किन्तु हमें यह समझना पड़ेगा कि मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है, बिना समाज के हमारा अस्तित्व ही खतरे में आ जाएगा। व्यष्टि और समष्टि एक दूसरे के पूरक हैं। बिना व्यक्ति के समाज नहीं हो सकता, उसी प्रकार बिना समाज के व्यक्ति भी कुछ नहीं। जो कार्य हम समाज को या संगठन को साथ लेकर कर सकते हैं, अकेले उसे करने की कल्पना भी नहीं की जा सकती। परस्पर सहयोग से कई कठिन लगने वाले कार्य सम्पन्न हुए हैं, इसके अनेक उदाहरण हैं।

हमारे धर्मग्रन्थों में कहा गया है कि **जिन कार्यों से सभी का भला होता हो, जो कार्य निस्वार्थ भाव से और अहंकाररहित रहकर किए जाते हों, वे सात्विक कर्म हैं और इनका कार्यरूप में परिणत होना ही धर्म है।** सामाजिक कार्य पूर्णतया इस परिधि में आते हैं। यह सम्भव है कि सामाजिक क्षेत्र में हमारे प्रयासों के फल तुरंत न प्राप्त हों। हमारे मनीषी पूर्वजों ने समाज सुधार के मुद्दों यथा पर्दाप्रथा, बालविवाह, दहेजप्रथा, आदि, को रोकने के लिए जो प्रयास किए, उसके परिणाम उन्हें अगले दिन ही नहीं मिल गए। कुछ परिवर्तन वर्षों में आए, कुछ दशकों में और कुछ के लिए अभी भी हमारा समाज प्रयासरत है। **महात्मा गांधी** ने कहा था – **राजनैतिक परिवर्तन तत्काल हो सकता है परन्तु सामाजिक परिवर्तन में समय लगता है।** स्वहित को त्यागकर, सामाजिक कार्य को सम्पादित करना सामाजिक प्राणी के लिये धर्म है।

धार्मिक-सामाजिक-वैवाहिक आयोजनों में आडम्बर-दिखावा, वैवाहिक समारोहों में मद्यपान का बढ़ता प्रचलन, दाम्पत्य-संबंधों में कटुता और बढ़ते तलाक, बुजुर्गों के प्रति सम्मान में कमी, पाश्चात्य सभ्यता का अंधानुकरण, प्री-वेडिंग शूट जैसे संस्कार-विरुद्ध प्रचलन, वैभव का बढ़ता प्रभाव, आदि, आज हमारे समाज के समझ प्रमुख चुनौतियाँ हैं। इनका सामना करने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर समाज के हर तबके – बुजुर्ग, मातृशक्ति, युवाशक्ति, किशोर-किशोरी, सबका साथ आना जरूरी है। सबको साथ लाने में उत्साही-सक्रिय एवं समर्पित कार्यकर्ताओं की भूमिका धुरीय होगी। **इस सत्कृत्य में प्रत्येक प्रबुद्ध समाजबंधु को भागीदारी निभानी होगी और तत्काल परिणाम न मिलने पर निराश न होकर, इस सामाजिक यज्ञ में लगे रहना होगा। साथ ही यह दृढ़ विश्वास रखना होगा कि आज नहीं तो कल सफलता जरूर हमारे कदम चूमेगी, तभी हम अध्यवसाय के साथ दीर्घकाल तक अपनी इस सामाजिक भूमिका का निर्वहन कर सकेंगे। हमें अपना कर्म करना है, फल की आस नहीं करनी है, फल स्वतः मिलेगा।**

कोरोनाजनित परिस्थितियों के आलोक में, सक्रिय सामाजिक कार्यकर्ताओं का महत्व एवं उनकी भूमिका आज और अधिक महत्वपूर्ण हो गयी है। कोरोना-संक्रमितों, उनके परिवारों, रोजगार खो चुके कामगारों, संसाधनहीन और निर्धन लोगों की सहायता से बढ़कर सात्विक कार्य आज कोई अन्य नहीं है। हमें गर्व है कि केन्द्र, प्रांत, प्रमंडल-जिला, नगर-ग्राम, हर स्तर पर सम्मेलन के समर्पित समाजबंधु इस दिशा में प्रयत्नशील हैं। मास्क, सैनिटाइजर, ऑक्सीजन सिलेंडर-कंसेंट्रेटर उपलब्ध कराने से लेकर भोजन-सामग्री और भोजन-वितरण तक, पूरे देश मे मारवाड़ी समाज अपने-अपने स्तर से अपनी भूमिका यथासम्भव निभा रहा है। कोरोना-संक्रमण से बचाव, संक्रमित होने की स्थिति में उपचार, टीकाकरण, आदि से सम्बंधित जानकारियाँ समाज के जन-जन तक पहुँचाने के लिए विभिन्न माध्यमों से प्रचार-प्रसार भी किया जा रहा है। हम सबको इससे जुड़ना चाहिए और अपनी सहभागिता सुनिश्चित करनी चाहिए। विशेष रूप से संकटकाल में अपनी सामाजिक भूमिका का निवर्हन हमारा नैतिक दायित्व है।

आज के दिन अपने स्वयं के, परिवार-निकटस्थों-मित्रों के, पड़ोसी और समाज के लोगों के, स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। समय की माँग है कि हम केन्द्र और राज्य सरकारो द्वारा समय-समय पर जारी कोरोना सम्बंधी निर्देशों का पालन करें और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें।

जय समाज, जय राष्ट्र !

संकटकाल में सबका सहयोग करना हमारा दायित्व : गोवर्धन गाड़ोदिया

'पूरे भारत में सम्मेलन की शाखायें कोरोनाकाल में समर्पित भाव से जरूरतमंदों की सेवा कर रही हैं और वर्तमान परिस्थितियों में यही हमारा दायित्व है।' यह विचार अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया** ने अपने अध्यक्षीय उद्‌बोधन में व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की आपदा की स्थिति में तन-मन-धन से पीड़ितों की सहायता करना हमारी परम्परा रही है और हम इसक निर्वहन में पीछे नहीं हटेंगे। बैठक गत २० जून २०२१ को वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से आयोजित की गई।

बैठक में सर्वप्रथम श्री गाड़ोदिया ने सभी उपस्थितों का स्वागत किया और उन्हें गंगा दशहरा और 'फादर्स डे' की बधाइयाँ दी। उन्होंने कहा कि हम सभी की यह नैतिक जिम्मेवारी है कि एक पिता के रूप में ऐसे आदर्श प्रस्तुत करें जो हमारी अगली पीढ़ी के लिए अनुकरणीय हों। श्री गाड़ोदिया ने कहा कि केन्द्रीय सम्मेलन की कोरोना राहत सेवाकार्य समिति के चेयरमैन श्री सीताराम शर्मा के मार्गदर्शन में पहले एक लाख मास्कों का सम्मेलन की प्रादेशिक शाखाओं के माध्यम से वितरण हुआ और अन्नपूर्णा रसोई कार्यक्रम के अन्तर्गत सितम्बर २०२० से लगातार कोलकाता/हावड़ा के विभिन्न स्थानों पर प्रतिदिन नि:शुल्क भोजन वितरण किया जा रहा है। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बताया कि लगभग हरेक प्रादेशिक शाखा द्वारा नि:शुल्क भोजन वितरण का कार्य हाथ में लिया गया है और सुचारु रूप से चलाया जा रहा है।

श्री गाड़ोदिया ने कहा कि केन्द्र एवं राज्य सरकारों की विभिन्न योजनाओं यथा आयुष्मान योजना, आर्थिक रूप से कमजोर लोगों के लिए सेवाओं में दस प्रतिशत आरक्षण की योजना, आदि के विषय में समाज के लोगों को जागरूक करने की आवश्यकता है, ताकि वे इनका लाभ उठा सकें। उन्होंने प्रादेशिक शाखाओं से इस सम्बंध में यथोचित प्रचार-प्रसार का अनुरोध किया। श्री गाड़ोदिया ने कहा कि कोरोना-काल की सीमाओं के कारण, उनके स्वयं, और राष्ट्रीय पदाधिकारियों, के दौरों के कार्यक्रम प्रभावित हुए हैं और सम्मेलन के संगठन-विस्तार पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। उन्होंने कहा कि विपरीत परिस्थितियों के बावजूद कुछ प्रादेशिक शाखाओं, विशेषकर बिहार, झारखंड एवं कर्नाटक, ने संगठन-विस्तार की गति को बनाये बनाये रखा है और ये साधुवाद के पात्र हैं।

पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री सीताराम शर्मा** ने अपने सम्बोधन में सम्मेलन द्वारा किए जा रहे सेवाकार्यों पर हर्ष जताया और कहा कि इससे सभी को प्रेरणा मिलेगी। उन्होंने कहा कि कोरोना-पीड़ितों के सहयोग में केन्द्रीय सम्मेलन, प्रादेशिक एवं स्थानीय शाखायें जो महती भूमिका निभा रही हैं, वे प्रशंसनीय एवं अनुकरणीय है। श्री शर्मा ने कहा कि समाज सुधार सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य है, तथापि वर्तमान परिस्थितियों में सेवा का महत्व अधिक है। उन्होंने कहा कि एकता, एकजुटता और समर्पण के साथ सेवाकार्यों को अंजाम देकर प्रान्तीय शाखाओं ने सम्मेलन को एक नयी ऊँचाई प्रदान की है।

पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री नंदलाल रुँगटा** ने सम्मेलन की सर्वांगीण प्रगति की प्रशंसा की और कहा कि संवाद एवं समन्वय की स्थिति पहले से बहुत बेहतर हुई है। सम्मेलन के सेवाकार्यों पर संतोष व्यक्त करते हुए उन्होंने सलाह दी कि नि:शुल्क भोजन वितरण के कार्यक्रम बड़े अस्पतालों के नजदीक आयोजित करना बेहतर होगा, इससे कोरोना-पीड़ितों के परिजनों को लाभ होगा। पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री प्रह्लाद राय अगरवाला** ने ग्रामीण क्षेत्रों में चिकित्सा-सहायता पहुँचाने की आवश्यकता पर बल दिया। पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री संतोष सराफ** ने टीकाकरण की गति बढ़ाने और यथाशीघ्र सभी का टीकाकरण सुनिश्चित करने को महत्वपूर्ण बताया।

बैठक में पधारीं अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन की राष्ट्रीय अध्यक्षा **श्रीमती शारदा लाखोटिया** ने महिला सम्मेलन द्वारा किए जा रहे सेवाकार्यों के विषय में बताया और कहा कि समय की माँग है कि समाज के सभी तबके और सभी संस्थायें, विशेषकर अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन, अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन और अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच मिल-जुलकर आपसी समन्वय के साथ कार्य करें।

सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं राजनैतिक चेतना उपसमिति के चैयरमैन, विधायक **श्री विवेक गुप्त** ने पश्चिम बंग सरकार द्वारा आयोजित नि:शुल्क टीकाकरण अभियान के विषय में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में कोरोना से बचाव और ग्रसित होने पर समय से उपचार तो आवश्यक है ही, साथ ही टीकाकरण का भी कोई विकल्प नहीं है। उन्होंने सभी से यथाशीघ्र टीका लगवाने का आह्वान किया और इस विषय में हर प्रकार के सहयोग का आश्वासन दिया।

बैठक में राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की पिछली बैठक (वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से २८ फरवरी २०२१ को आयोजित) का कार्यवृत सर्वसम्मति से पारित हुआ। राष्ट्रीय महामंत्री **श्री संजय हरलालका** ने पिछली बैठक के बाद के सम्मेलन के क्रियाकलापों

पर 'महामंत्री की रपट' प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि वैश्विक संकट की स्थिति होने के बावजूद, कोरोना-काल के कुछ सकारात्मक पहलू भी सामने आये हैं। भले वीडियो का ही माध्यम हो, कोरोना ने कहीं न कहीं हमें जोड़ने का काम भी किया है।

राष्ट्रीय महामंत्री श्री संजय हरलालका ने बताया कि कार्पोरेट सोशल रेस्पांसिबिलिटीज (सी.एस.आर.) के अन्तर्गत प्राप्त अनुदानों के लिए आयकर में छूट के प्रावधान का अधिकार सम्मेलन की प्राप्त नहीं है और इसकी आवश्यकता महसूस की जा रही है। विचार-विमर्श के बाद, सम्मेलन के राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री श्री गोपाल अग्रवाल को इस विषय में आवश्यक कार्यवाही का दायित्व दिया गया।

प्रादेशिक अध्यक्षों **सर्वश्री ओमप्रकाश खण्डेलवाल** (पूर्वोत्तर), **गोविन्द अग्रवाल** (उत्कल), **डॉ. सुभाष अग्रवाल** (कर्नाटक), **अशोक कुमार मूँधड़ा** (तमिलनाडु), **श्याम सुन्दर अग्रवाल** (केरल), **नंदकिशोर अग्रवाल** (पश्चिम बंग), **लक्ष्मीपत भूतोड़िया** (दिल्ली), **गोकुल चन्द बजाज** (गुजरात), **संतोष खेतान** (उत्तराखंड), **महेश जालान** (बिहार) एवं झारखंड सम्मेलन के महामंत्री **श्री पवन शर्मा** ने अपनी-अपनी प्रादेशिक शाखाओं की गतिविधियों विशेषकर कोरोना-राहत सम्बंधी सेवाकार्यों, पर रपट प्रस्तुत की।

राष्ट्रीय उपाध्यक्षों **सर्वश्री भानीराम सुरेका** (प्रभारी – पश्चिम बंग), **पवन कुमार गोयनका** (प्रभारी – दिल्ली, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र एवं गुजरात), **अशोक कुमार जालान** (प्रभारी - उत्कल, छत्तीसगढ़ एवं आन्ध्र प्रदेश), **डॉ. श्याम सुन्दर हरलालका** (प्रभारी – पूर्वोत्तर) एवं **विजय कुमार लोहिया** (प्रभारी – तमिलनाडु, तेलंगाना, कर्नाटक एवं केरल) ने अपने संक्षिप्त वक्तव्य रखे और अपने प्रभार के प्रान्तों की गतिविधियों की समीक्षा प्रस्तुत की।

धन्यवाद-ज्ञापन करते हुए राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री पवन कुमार सुरेका** ने अपने प्रभार के प्रांतों – बिहार, झारखंड एवं उत्तर प्रदेश, के गतिविधियों के विषय में संक्षेप में बताया। बैठक में सम्मेलन के राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्रीद्वय श्री गोपाल अग्रवाल एवं श्री सुदेश अग्रवाल, राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री बसंत मित्तल, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री दामोदर प्रसाद बिदावतका, सर्वश्री आत्माराम सोन्थलिया, दिनेश जैन, विनय सरावगी, कमल नोपानी, अनिल कुमार जाजोदिया, शिव कुमार लोहिया, नारायण प्रसाद डालमिया, नंदलाल सिंघानिया, कैलाशपति तोदी, पवन जालान, भागचंद पोद्दार, मधुसूदन सीकरिया, रंजीत जालान, बिनोद तोदी, निर्मल काबरा, निर्मल झुनझुनवाला, राजकुमार केडिया, अशोक कुमार गुप्ता, रमेश कुमार बूबना, राजकुमार मिश्रा, रतनलाल बंका, ओमप्रकाश पोद्दार, डॉ. ओम प्रकाश प्रणव, शिव कुमार टेकरीवाल, अशोक अग्रवाल, जगदीश गोलपुरिया, जगदीश शर्मा, केदारनाथ गुप्ता, विनोद कुमार जैन, अनिल अग्रवाल, सुरेश अग्रवाल सहित पूरे देश से सम्मेलन के वरिष्ठ सदस्य उपस्थित थे।

समाचार सार

गत १५ जून २०२१ को पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन का एक प्रतिनिधिमंडल प्रादेशिक अध्यक्ष श्री ओमप्रकाश खण्डेलवाल के नेतृत्व में असम के मुख्यमंत्री श्री हिमंत विश्वशर्मा से मिला और मारवाड़ी समाज के हितों सहित विभिन्न सामाजिक-राजनैतिक मुद्दों पर चर्चा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि बातचीत के द्वारा, सर्वसम्मति से, हर समस्या का समाधान किया जाएगा। प्रतिनिधिमंडल में प्रादेशिक उपाध्यक्ष श्री अरुण अग्रवाल, महामंत्री श्री अशोक अग्रवाल, सर्वश्री प्रमोद स्वामी, कैलाश कावरा एवं श्रीप्रकाश काबरा शामिल थे।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का वेबिनार

कोरोना की दूसरी लहर : बचाव, ईलाज एवं टीकाकरण

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा गत ०५ जून २०२१ को 'कोरोना की दूसरी लहर : बचाव, ईलाज एवं टीकाकरण' विषयक वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार का सभापतित्व करते हुए सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया** ने सभी उपस्थितों का स्वागत किया। कोरोना महामारी को मानवता के लिए एक त्रासदी बताते हुए उन्होंने कहा कि पहले युद्ध से सीमाएँ बदला करती थी, अब इस वैश्विक महामारी कोरोना ने सामाजिक मान्यताओं को बदल दिया है और राष्ट्रों की सीमाओं को लाँघ कर पूरी मानवता को त्रस्त कर दिया है। श्री गाड़ोदिया ने कहा कि कोरोना से संक्रमित होने की स्थिति में शीघ्र स्वस्थ होने में चिकित्सकीय परामर्श के साथ-साथ ईश्वर में आस्था, सकारात्मक सोच, स्वयं के मनोबल, परिवार का सहयोग एवं मित्रों की शुभकामनाओं का महत्वपूर्ण योगदान होता है।

सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री सीताराम शर्मा** ने अपने सम्बोधन में कहा कि चिकित्सकों एवं चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े लोगों की आज पूरी मानवता आभारी है। उन्होंने कहा कि अपनी मर्जी से कोई दवा लेना खतरनाक है तथापि कोरोना-सम्बंधी जानकारी और इस विषय पर समाज को जागरूक रखना अत्यंत आवश्यक है। श्री शर्मा ने कोरोना-संक्रमण से बचाव, संक्रमित होने की स्थिति में समयानुसार ईलाज एवं टीकाकरण, इन तीनों को महत्वपूर्ण बताया। श्री शर्मा ने आशा व्यक्त की कि सभी चिकित्सा पद्धतियाँ एक दूसरे के पूरक के रूप में कार्य करते हुए इस त्रासदी से मानवता को बचाने केलिए प्रयास करेंगी।

ब्रिटेन के कई प्रतिष्ठित चिकित्सीय संस्थानों में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा चुकीं, वर्तमान में धानी, मुम्बई में क्लीनिकल एक्सीलेंस की हेड, **डॉ. स्मिता दास** ने वेबिनार को सम्बोधित करते हुए विस्तार से कोविड से सम्बंधित विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि संक्रमण से बचाव कोविड के विरुद्ध हमारा सबसे बड़ा अस्त्र है। बचाव के लिए उन्होंने नियमित जीवनशैली, संतुलित आहार—जिसमें विटामिल सी, बी-६, बी-१२ तथा जिंक उपयुक्त मात्रा में हो, पर्याप्त मात्रा में जल का सेवन एवं कोविड-निर्देशों के पालन की जरूरी बताया। डॉ. दास ने कहा कि संक्रमित होने पर बिना विलम्ब चिकित्सा प्रारम्भ करनी चाहिए। टीकाकरण के विषय में बोलते हुए उन्होंने कहा कि दोनों डोज लेना अनिवार्य है।

लगभग तीन दशकों के चिकित्सीय अनुभव के साथ अग्रणी चिकित्सीय-सामाजिक संस्थाओं में सक्रिय, आयुर्वेद विशेषज्ञ **डॉ. विकास लड्ढा** ने अपने सम्बोधन में शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के महत्व पर बल दिया। उन्होंने कहा कि हमारे स्वास्थ्य के लिए आहार, विहार, निद्रा, सोशल डिस्टेंसिंग, मास्क एवं आवश्यकतानुसार दवाओं का सेवन अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। खट्टे फलों, चाय, हल्दी, काढ़ा आदि के सेवन को उन्होंने स्वास्थ्यपरक बताया किन्तु कि यह भी कहा कि ये सभी संतुलित मात्रा में ही लेनी चाहिए, अतिरेक नहीं होना चाहिए। अल्कोहल, धूम्रपान एवं तम्बाकू से दूर रहने एवं सकारात्मक माहौल में अपने परिवार एवं दोस्तों के साथ समय बिताने की जरूरत पर भी उन्होंने बल दिया।

डॉ. दास एवं डॉ. लड्ढा के वक्तव्यों के बाद प्रश्नोत्तर का सत्र रखा गया जिसमें उन्होंने उपस्थित समाजबंधुओं के प्रश्नों का उत्तर दिया एवं शंकाओं का समाधान किया। अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की सेमिनार उपसमिति के चेयरमैन **श्री शिव कुमार लोहिया** एवं सम्मेलन की स्वास्थ्य उपसमिति के चेयरमैन **श्री पवन कुमार जालान** ने वेबिनार का संयोजन किया। श्री लोहिया ने वेबिनार का कुशल संचालन भी किया।

वेबिनार में न्यायमूर्ति श्री रमेश कुमार मेरठिया, सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्षगण सर्वश्री नंदलाल रुँगटा, डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया, रामअवतार पोद्दार, प्रह्लाद राय अगरवाला, संतोष सराफ, उपाध्यक्षगण सर्वश्री भानीराम सुरेका, पवन कुमार गोयनका, पवन कुमार सुरेका, अशोक जालान, विजय कुमार लोहिया, महामंत्री श्री संजय हरलालका, संगठन मंत्री श्री बसंत कुमार मित्तल, कोषाध्यक्ष श्री दामोदर बिदावतका, प्रादेशिक अध्यक्षगण सर्वश्री गोविन्द अग्रवाल (उत्कल), डॉ. सुभाष अग्रवाल (कर्नाटक), नंद किशोर अग्रवाल (पश्चिम बंग), ओम प्रकाश खण्डेलवाल (पूर्वोत्तर), महेश जालान (बिहार), लक्ष्मीपत भूतोड़िया (दिल्ली) सहित पूरे देश से अच्छी संख्या में सम्मेलन के पदाधिकारियों-सदस्यों एवं समाजबंधुओं ने भाग लिया।

अन्नपूर्णा रसोई प्रकल्प के अंतर्गत निःशुल्क भोजन वितरण
जून २०२१ की झलकियाँ

०१ जून : बाँधाघाट, हावड़ा

०२ जून : बाँधाघाट, हावड़ा

०६ जून : हाजरा रोड, कोलकाता

०७ जून : पी.जी. अस्पताल, कोलकाता

०९ जून : कालीघाट, कोलकाता

१० जून : पी.जी. अस्पताल, कोलकाता

११ जून : धापा बाईपास, कोलकाता

१५ जून : सियालदह स्टेशन, कोलकाता

१६ जून : कालीघाट, कोलकाता

२३ जून : कांकुड़गाछी, कोलकाता

२६ जून : बांगुर, कोलकाता

२९ जून : फोरशोर रोड, कोलकाता

Krishi Rasayan Group

29, Lala Lajpat Rai Sarani (Elgin Road),
Kolkata - 700020, West-Bengal, India
www.krishirasayan.com
E-mail: atul@krishirasayan.com
Telephone: +91-33-71081010/11

With more than 50 years of experience in the agro-chemical business and being one of the oldest and leading agrochemical companies of India, **Krishi Rasayan** is touching new heights with each passing day.

The continuous process of upgradation, development and inherent changes according to the market requirements have helped **Krishi Rasayan** become a leader in the domestic circuit. **Krishi Rasayan** is expanding word-wide with exports and overseas registrations focusing on South-East Asia, Africa, Middle-East, CIS and Latin America.

Krishi Rasayan has 8 multi-location manufacturing plants in different parts of India and has 5 overseas subsidiaries.

It also boasts of having contract technical manufacturing units in India manufacturing Pretilachlor, Ethephon, Cypermethrin, Profenofos, Imidacloprid, Thiamethoxam, Metalaxyl, Metribuzin, Acetamiprid, Glyphosate, Tricyclazole, Butachlor, Emamectin benzoate, Difenconazole and Chlorpyriphos.

Additional technical products to be added are under process. The company has technical tie-ups and contract manufacturing with various companies in China and also has an office in Shanghai, China.

The company has many products including formulations such as EC, SC, WDG, SP, GR, EW and CS

Krishi Rasayan specializes in many combination products & bio-products. GLP data are available for most of the products; both 5-batch and 6-pack study.

Insecticides:

Deltamethrin 1% + Triazofos 35% EC, Profenofos 40% + Cypermethrin 4% EC, Ethion 40% + Cypermethrin 4% EC, Chlorpyriphos 50% + Cypermethrin 5% EC, Acephate 25% + Fenvalerate 3% EC, Buprofezin 15% + Acephate 35% WP, Profenofos 20% + Cypermethrin 2% EC, Deltamethrin 2.5% + Permethrin 2.5% EC, and many other forumlations available.

Fungicides:

Metalaxyl 8% + Mancozeb 64% WP, Carboxin 37.5% + Thiram 37.5% DS, Carbendazim 12% + Mancozeb 63% WP, Streptomycin sulphate + Tetracycline hydrochloride (90:10), Iprodione 25% + Carbendazim 25% WP, Cymoxanil 8% + Mancozeb 64% WP, etc

Weedicides:

Metsulfuron methyl 10% + Chlorimuron ethyl 10% WP & other formulations available.

PGR's:

6BA, Amino Acids, Ethephon, Gibberallic Acid, Hydrogen Cynamide, Tricontanol

Bio-Products:

Bacillus thuringiensis var kurstaki 7.5% WP, Trichoderma harzianum 2% WP, Trichoderma viride 1% WP, Pseudomonas fluorescens 0.5% WP, Neem Oil, Azadirachtin, Beauveria bassiana 1.15% WP, Verticillium lecani 1.15% WP and other formulations available.

श्रद्धांजलि सभा

गीतेश जी ने किया था संघर्ष के साथ अपने व्यक्तित्व का निर्माण

सुविख्यात पत्रकार, लेखक, विधायक श्री गीतेश शर्मा का गत ०२ मई २०२१ को कोरोना-संक्रमण के बाद निधन हो गया। गत ०६ मई २०२१ को **अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन** एवं सामाजिक-साहित्यिक संस्था '**जन संसार**' के संयुक्त तत्वावधान में एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से किया गया जिसमें विभिन्न क्षेत्रों के अग्रणी व्यक्तित्वों ने भाग लिया और स्व. गीतेश जी को श्रद्धांजलि दी। सभा की अध्यक्षता गीतेश जी के पुराने साथी, वरिष्ठ पत्रकार **श्री विश्वम्भर नेवर** ने की।

स्व. गीतेश शर्मा
(२४ अगस्त १९३२ - ०२ मई २०२१)

सभा के संयोजक एवं अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष **श्री सीताराम शर्मा** ने कहा कि गीतेश जी के संघर्षशील व्यक्तित्व एवं उनकी सिद्धान्तों से कभी भी समझौता न करने की प्रवृति का असर मुझ जैसे उनके सभी साथियों पर पड़ा। जीवन को सार्थक बनाने के हमारे प्रयास में उनके मार्गदर्शन ने हमारा मार्ग प्रशस्त किया।

अस्वस्थता के कारण, सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया** ने अपना लिखित श्रद्धांजलि-संदेश भेजा – "स्व. गीतेश जी जैसा व्यक्तित्व कभी-कभी इस धरा-धाम पर अवतरित होता है और अपनी पदछाप छोड़कर अनंत में विलीन हो जाता है। वरिष्ठ पत्रकार, कलम के सिपाही, समाजहितचिंतक को विनम्र श्रद्धांजलि!

सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री नंदलाल रुँगटा** ने कहा कि गीतेश जी स्पष्टवादी थे। पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री प्रह्लाद राय अगरवाला** ने कहा कि वे सबकी मदद करते थे। पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं विधायक **श्री विवेक गुप्त** ने कहा कि वे अजातशत्रु थे और सच्चे मार्गदर्शक थे। उद्योगपति-समाजसेवी **श्री हरिप्रसाद बुधिया** ने कहा कि जब वे वियतनाम गए थे तो वहाँ गीतेश जी के बहुत से प्रशंसक मिले।

भारतीय भाषा परिषद की अध्यक्षा **श्रीमती कुसुम खेमानी** ने कहा कि साफगोई और बेबाकी में गीतेश जी का कोई जवाब नहीं था। साहित्यकार **डॉ. प्रेम शंकर त्रिपाठी** ने कहा कि विरोधी विचारधारा के लोगों के साथ भी उनकी आत्मीयता अक्षुण्ण थी। यादवपुर विश्वविद्यालय के उपकुलपति **श्री सुरंजन दास** ने कहा कि भारत-वियतनाम सम्बंधों को सुदृढ़ करने में उनका अहम योगदान था। **श्री प्रेम कपूर** ने कहा कि उन्होंने दूसरी पंक्ति भी तैयार की। साहित्यकार **श्री श्रीनिवास शर्मा** ने कहा कि उनका व्यक्तित्व अनूठा था, गोष्ठियाँ आयोजित कर वे सबको जोड़कर रखते थे।

सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री भानीराम सुरेका, पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री रतनलाल शाह, कवि श्री रविप्रताप सिंह, डॉ. हरिवंश चतुर्वेदी, श्री शम्भूनाथ शुक्ला, श्री रावेल पुष्प, श्री पुरुषोत्तम तिवारी, श्री जितेन्द्र धीर, श्रीमती सुशीला वनानी, श्री राज मिठौलिया, श्री नारायण जैन, श्री राजकुमार बोथरा, श्री बनवारी लाल शर्मा 'सोती', श्री महेश शर्मा, श्री राजेन्द्र केडिया, श्री रामबिलास शर्मा, श्रीमती उषा गुप्ता, श्रीमती आरती सिंह, डॉ. करुणा पांडे, श्री अरुण अग्रवाल (जयपुर), श्रीमती माधवी सिंह, पुत्र श्री संजीव शर्मा ने भी दिवंगत गीतेश शर्मा जी को अपने उद्‌गारों से श्रद्धांजलि दी।

श्रद्धांजलि सभा में सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ, सर्वश्री पवन जालान, संजय बुधिया, शिशिर बाजोरिया, मुकुन्द राठी, राजीव माहेश्वरी, आशुतोष चतुर्वेदी, गौतम दे, कौशल किशोर त्रिवेदी, प्रकाश पंडालिया, किरण सिपानी, नीलमणि राठी, मंजू दूगड़, प्रकाश अगरवाल, विजय शर्मा सहित अच्छी संख्या में समाज की महिलाओं-पुरुषों ने भाग लिया।

समाचार सार

गत २३ जून २०२१ को सम्मेलन की गुवाहाटी शाखा एवं सहयोगी संस्थाओं द्वारा स्थापित 'ऑक्सीजन है सबके लिए' प्रकल्प का उद्‌घाटन असम सरकार के परिवहन मंत्री श्री चंद्रमोहन पटवारी ने किया। इसके अन्तर्गत १०० ऑक्सीजन सिलेण्डर तथा २० ऑक्सीजन कंसंस्ट्रेटर मशीन उपलब्ध कराये गए। इस अवसर पर कामरूप मेट्रो जिले के उपायुक्त श्री विश्वजीत फेंगू, भाजपा के प्रदेश कोषाध्यक्ष श्री राजकुमार शर्मा, वरिष्ठ समाजसेवी अशोक धानुका एवं बड़ी संख्या में समाजबंधु मौजूद थे।

श्रद्धांजलि

गीतेश शर्मा नहीं रहे

मेरा ६० वर्षों का संबंध था – सीताराम शर्मा

लेखक, पत्रकार एवं कल्चरल एक्टिविस्ट गीतेश शर्मा का ८९ वर्ष की आयु में स्वर्गवास हो गया। मेरा इनसे ६० वर्षों का संबंध था। गत २२ अप्रैल को भाई बनवारी लाल सोती और पवन जालान के सहयोग से बड़तल्ला स्थित विशुद्धानंद अस्पताल में भर्ती कराया। कोरोना के संक्रमण का भय था। परिवार और हम मित्रों के विरोध के बावजूद वे दिल्ली से कलकत्ता आ गये थे और अकेले ही चौरंगी में रहते थे।

लखीसराय, बिहार में १९३२ में जन्मे गीतेश जी युवावस्था से ही विद्रोही थे। अपने परिवार का दिया हुआ नाम कन्हैया बदलकर गीतेश रख लिया। कम्युनिस्ट पार्टी में शामिल हो गये। बाल-विवाह के विरोध में पत्नी और परिवार को छोड़कर गाँव से कलकत्ता आ गये। कलकत्ता में बहुत ही संघर्षपूर्ण जीवन जीया। एक बंगाली संभ्रांत परिवार में विवाह किया। ७२ सोनापट्टी, बड़ाबाजार में एक किराए के हॉलनुमा घर में "बाल परिषद" संस्था स्थापित की। दर्जनों बच्चे जुड़े, कोई कहानी लिखता था, कोई कविता, कोई संगीत तो कोई भाषण देने की कला सीखता था।

यादों के झरोखे से : (बायें से) श्री विश्वम्भर नेवर, श्री सीताराम शर्मा एवं श्री गीतेश शर्मा।

इसी "बाल परिषद" से मैं ६०-६१ में जुड़ा। विश्वंभर नेवर और प्रेम कपूर इससे भी पहले से जुड़े थे और हमारी एक ऐसी चौकड़ी बनी जिनके संबंधों की कलकत्ता में आज भी चर्चा होती है। हमारे जो अवर्णनीय संबंध थे, वे आज की दुनिया के नहीं थे। गीतेश जी की प्रगतिशील, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष सोच, यहाँ तक कि उनकी नास्तिकता का भी हम पर प्रभाव पड़ा।

गीतेश जी ने शिक्षा तो दसवीं तक ही प्राप्त की लेकिन १२ हिंदी में और १२ अंग्रेजी में कुल मिलाकर २४ पुस्तकें उनकी प्रकाशित हुई। प्रायः ३० देशों की यात्रा की और वियतनाम सरकार ने उन्हें अपने उच्चतम नागरिक सम्मान से सम्मानित किया है। ढेर सारे लेख लिखे – इसी वर्ष उनके १६ लेखों के संकलन "इधर की..... उधर की" शीर्षक पुस्तक का प्रकाशन हुआ है। कोलकाता में हिंदी, बांग्ला, उर्दू सहित अन्य भाषाओं के रचनाकारों के बीच समन्वय की वो आखिरी कड़ी थे। उनके जनसंसार गोष्ठी कक्ष में से ५०० से अधिक 'अड्डा' का आयोजन हुआ जिसमें हिंदी, बांग्ला, उर्दू के रचनाकारों सहित चोटी के राजनेता समय-समय पर उपस्थित हुए।

मैं तो इस बात को बराबर स्वीकार करता रहा हूँ कि १४-१५ की अल्पायु का यह जुड़ाव मेरी जिंदगी का इतना जबरदस्त, इतना प्रखर और प्रभावी मोड़ था, जिसने मेरी जिंदगी बदल कर रख दी। मैंने, या यूँ कहूँ हमने, बोलना, लिखना, पढ़ना, पत्रकारिता, सामाजिकता के पाठ इन्हीं से सीखे, साथ-साथ अंतरराष्ट्रीयता का बोध भी इन्हीं से हुआ। प्रत्येक व्यक्ति में बहुत सी खूबियाँ भी होती हैं और खामियाँ भी। सबका असर मेरे जीवन पर हुआ है, मैं यह मानता रहा हूँ।

मेरी शीघ्र प्रकाशित होने वाली "जीवन के मोड़" शीर्षक आत्मजीवनी में गीतेश जी ने लिखा है – "कोरोना के दौरान सीताराम ने एक "२९ दिन के लॉकडाउन" की डायरी लिखी है, उसमें इसने बहुत ही विनम्रता से यह स्वीकार किया है कि मैं इसका गुरु रहा हूँ और मैंने ही इसके व्यक्तित्व को विकसित किया है। इसमें आधा सच है और आधा झूठ। मैंने तो इसको उँगली पकड़ाई थी। पहुँचा तो इसने अपनी मेधा से पकड़ा।

गीतेश जी बुद्ध की उक्ति – हर चीज पर शंका करो, किसी का अंधानुकरण न करो, अपना पथप्रदर्शक खुद बनो" – में विश्वास करते थे। समाज में असहमति, चुनौती, विरोध और सवाल खड़ा करने की एक आवाज आज गुम गयी। उनकी कमी बराबर खलेगी।

प्रतिवाद

– रतन लाल बंका
राँची, झारखंड

(मेरा जन्म, शिक्षा, विवाह सब कलकत्ता में ही हुआ है। व्यपार के सिलसिले में राँची आना हो गया। विद्याध्ययन के दौरान कलकत्ता में **बाल परिषद** में आना-जाना होता था। वहाँ ही गीतेशजी से भी सम्पर्क हुआ। वहाँ मैंने एक गीत का मुखड़ा सुना था – **किस-किस का प्रतिवाद करूँ मैं जितने मुँह उतनी बातें**। इसी से प्रेरित होकर मैंने यह कविता लिखी थी, आदरणीय स्व. गीतेश जी को सादर श्रद्धांजलि सहित समर्पित!)

प्रतिवाद करूँ मैं किस-किस का ये रकम-रकम की बातें हैं

दौड़ लगाकर कभी किसी ने क्या अजय क्षितिज को पाया है
उमड़-घुमड़कर बादल कब तक सूरज को ढकने पाया है
लहरों से उद्वेलित हो क्या सागर सीमा लंघ जाते हैं
प्रतिवाद करूँ मैं किस-किस का ये रकम-रकम की बातें हैं

खिला सुवासित फूल हमेशा पहले ही तोड़ा जाता है
पर फूल महकता रहता है वह कहाँ कभी घबराता है
फल लगने से वृक्ष सदा ही विनम्र हो झुक-झुक जाते हैं
प्रतिवाद करूँ मैं किस-किस का ये रकम-रकम की बातें हैं

धरती सहती सब रहती है, प्रतिवाद कहाँ कुछ करती है
छोड़ जमाना चल देता है तब वही अंक में भरती है
शमा बुझाने आए पतंग अपने से ही मिट जाते हैं
प्रतिवाद करूँ मैं किस-किस का ये रकम-रकम की बातें हैं

प्रतिवादों का प्रारंभ यदि हो तो अंत क्षितिज ही होगा
प्याजों के छिलके उतरेंगे परिणाम नहीं अभिनव होगा
लहरों को गिन सका कभी ना, बीते दिन बीती रातें हैं
प्रतिवाद करूँ मैं किस-किस का ये रकम-रकम की बातें हैं

MARWARI SAMMELAN FOUNDATION
(A Trust of All India Marwari Federation)
उच्च शिक्षा कोष
समाज के बच्चों को शिक्षित कर परिवार को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में पहल

छात्र/छात्राएँ नि:शुल्क छात्रवृत्ति के लिये सम्पर्क करें

इंजीनियरिंग, टेक्निकल, चिकित्सा, मैनेजमेंट आदि क्षेत्रों में स्नातकोत्तर/उच्च शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति हेतु समाज के मेधावी एवं जरूरतमंद छात्र-छात्राओं से आवेदन आमंत्रित हैं।

पात्रता : (क) १७ और २५ वर्षों के बीच के उम्र के मेधावी छात्र-छात्राएँ जिनका शैक्षिक परीक्षाओं में प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा हो और जिन्हें केवल अपनी योग्यता के बल पर किसी मान्यताप्राप्त शैक्षणिक संस्थान में प्रवेश मिल रहा हो।
(ख) जिन आवेदकों के माता-पिता की वार्षिक आय तीन लाख रुपयों से कम होगी, उन्हें प्राथमिकता दी जाएगी।

प्रक्रिया : (क) पूर्व शैक्षिक प्रमाणपत्रों, प्रवेश के प्रमाण, माता-पिता के आय प्रमाणपत्र एवं पासपोर्ट साइज चित्रों के साथ, मारवाड़ी सम्मेलन की किसी शाखा/सम्बद्ध संस्था से अनुमोदित आवेदन प्रस्तुत करने हैं।
(ख) एक छात्र-छात्रा को वर्ष में अधिकतम दो लाख रुपयों की राशि अनुदानस्वरूप दी जा सकती है।
(ग) प्रतिवर्ष कुछ छात्रवृत्तियाँ छात्राओं के लिए सुरक्षित हैं।

आवेदन करें : *चेयरमैन, उच्च शिक्षा उपसमिति, अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन*
४बी, डकबैक हाउस, ४१, शेक्सपियर सरणी, कोलकाता-१७, फोन : (०३३) ४००४४०८९, ईमेल : aimf1935@gmail.com

'असम की मारवाड़ी जाति का इतिहास' पुस्तक का विमोचन

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **डॉ. श्याम सुन्दर हरलालका** द्वारा रचित पुस्तक '**असम की मारवाड़ी जाति का इतिहास**' का विमोचन समारोह गत २७ जून २०२१ को **पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन की साहित्य सृजन एवं विकास समिति** द्वारा वेबिनार के माध्यम से आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया** तथा मुख्य वक्ता पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री सीताराम शर्मा** थे। इसके अलावा निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री संतोष सराफ**, राष्ट्रीय उपाध्यक्षगण **श्री पवन सुरेका** एवं **श्री विजय कुमार लोहिया**, राष्ट्रीय महामंत्री **श्री संजय हरलालका**, राष्ट्रीय संगठन मंत्री **श्री बसंत मित्तल**, कर्नाटक सम्मेलन के अध्यक्ष **डॉ. सुभाष अग्रवाल**, पूर्वोत्तर सम्मेलन के पूर्व अध्यक्षगण **श्री ओंकारमल अगरवाला**, **श्री विजय मगलूनिया** एवं **श्री मधुसूदन सीकरिया** झारखंड सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष **श्री राजकुमार केडिया**, पूरे देश से सम्मेलन के वरिष्ठ सदस्य, लायन्स क्लब के सदस्य एवं समाजबंधु इस विमोचन कार्यक्रम में उपस्थित थे।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन गाड़ोदिया ने कहा कि ५७६ पृष्ठों की यह पुस्तक मारवाड़ी समाज के लिये एक मील का पत्थर साबित होगी तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए एक दस्तावेज होगी। उन्होंने कहा कि समूचे भारत में इस तरह का यह पहला प्रयास है तथा इसके लिए डॉ. हरलालका के साथ-साथ पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन भी प्रशंसा का हकदार है। उन्होंने इस पुस्तक को आधार बताते हुए अन्य प्रांतों में भी इस तरह की पुस्तकों के प्रकाशन पर जोर देने की बात कही।

मुख्य वक्ता श्री सीताराम शर्मा ने पुस्तक की सराहना करते हुए कहा कि यह पुस्तक एक मॉडल के रूप में होगी तथा इससे समाज की छवि सुधरेगी। उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर भी पूर्वोत्तर की तरह एक साहित्य सृजन समिति बनाने की बात कही। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम राष्ट्रीय स्तर पर लिया जाना चाहिए। उनके इस सुझाव का सभी वक्ताओं ने समर्थन किया तथा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया ने भी जल्द ही इस पर विचार करने का आश्वासन दिया। इसके पहले श्री गाड़ोदिया ने श्री सीताराम शर्मा, श्री संतोष सराफ एवं केन्द्रीय-प्रांतीय पदाधिकारियों के साथ मिलकर पुस्तक का विमोचन किया।

पुस्तक के लेखक डॉ. श्याम सुन्दर हरलालका ने पुस्तक के बारे में अपने विचार रखते हुए कहा कि इस पुस्तक का असमिया और अंग्रजी संस्करण भी शीघ्र प्रकाशित किया जायेगा ताकि इतर समाज के लोगों में भी इसका वितरण किया जा सके। सभी वक्ताओं ने दिल से डॉ. हरलालका को बधाई दी, धन्यवाद दिया तथा उनके इस प्रयास की सराहना की।

राष्ट्रीय महामंत्री श्री संजय हरलालका ने अपने सम्बोधन में ग्रन्थ को अत्यंत उपयोगी बताते हुए कहा कि आदमी आता है और चला जाता है परन्तु साहित्य हमेशा जीवित रहता है। श्री संतोष सराफ, श्री पवन कुमार सुरेका, श्री बसंत मित्तल, श्री ओंकारमल अगरवाला, श्री विजय मंगलूनिया, श्री मधुसूदन सीकरिया, श्री राजकुमार तिवाड़ी, श्री घनश्याम लड़िया, श्री श्याम सुन्दर भीमसरिया एवं श्रीमती स्मिता खाटुवाला ने भी सभा में अपने संक्षिप्त विचार रखे।

प्रान्तीय महामंत्री **श्री अशोक अग्रवाल** ने सभा की अध्यक्षता की और अपने सम्बोधन में पूर्वोत्तर सम्मेलन की गतिविधियों की जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन **श्री राजकुमार सराफ** द्वारा किया गया। **श्री उमेश खण्डेलिया** द्वारा उद्देश्य-व्याख्या की गई। साथ ही उन्होंने समिति द्वारा आगामी दिनों में प्रकाशित होने वाली पुस्तकों के बारे में भी बताया। अंत में श्री राजकुमार सराफ ने धन्यवाद-ज्ञापन किया।

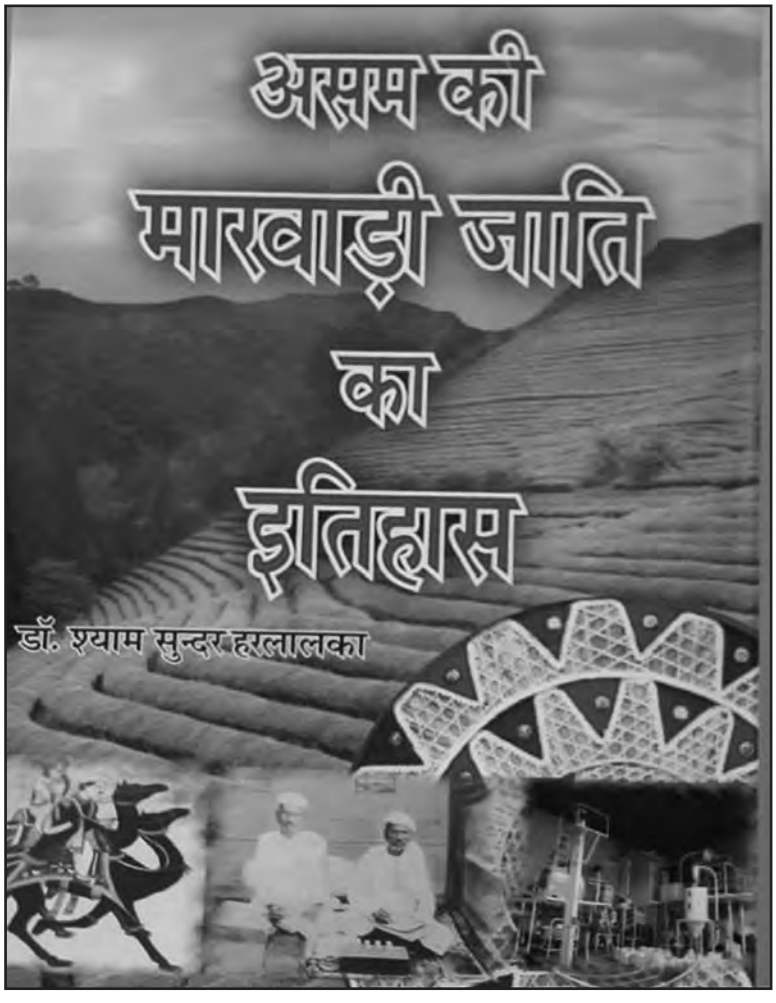

बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन

मई एवं जून २०२१ की गतिविधियाँ

बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी द्वारा मारवाड़ी भाषा, संस्कृति एवं पर्व-त्यौहारों से नई पीढ़ी को अवगत कराने के लिए निरंतर विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं एवं कार्यक्रमों का निरंतर आयोजन किया जाता है। इस दृष्टिकोण से मई माह में आयोजित केवल मारवाड़ी गीतों और भजनों की सीताराम रुँगटा शताब्दी स्मृति संगीत प्रतियोगिता "**ढोला ढोल मंजीरा बाजै रे – सुर लहरी राजस्थान री**" का सफल आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता के लिए बिहार ही नहीं बल्कि भारत के विभिन्न राज्यों और विदेश से भी लगभग २०० से अधिक वीडियो प्राप्त हुए। निर्णायक मंडल के तीन विद्वान सदस्यों के द्वारा किये गये मूल्यांकन के आधार पर विजेताओं को प्रमाण पत्र एवं शील्ड प्रदान की गई।

'**हम हैं समाज के साथ**' अभियान के अन्तर्गत बहुसंख्य व्यवसायियों का संगठन होने के नाते बिहार सरकार के सप्ताह में मात्र तीन दिन दूकानों को खोलने के आदेश का प्रबल विरोध किया गया। इसके लिए राज्य के आपदा प्रबंधन विभाग के सचिव, मुख्य सचिव तथा उप-मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर और इलेक्ट्रोनिक एवं प्रिन्ट मीडिया के माध्यम से सप्ताह में सभी दिन दूकानों को खोलने की माँग रखी गई, जिसे समाज का भरपूर सहयोग मिला।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्रांत की शाखाओं द्वारा वृहद स्तर पर वृक्षारोपण एवं स्वच्छ पर्यावरण से संबंधित कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। ज्ञातव्य है कि नवगछिया के समाजबन्धु **श्री पवन सर्राफ** को मुख्य मंत्री द्वारा बागबानी मिशन के अन्तर्गत प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया।

समाज विकास के प्रांतीय कार्यक्रम मृतक भोज को अपने ही परिवार में प्रतिबंधित कर उदाहरण प्रस्तुत करने वाले सुगौली शाखा के **श्री सुरेश कुमार मोदी** को समाज गौरव सम्मान प्रदान करने का निर्णय लिया गया।

श्री सुरेश कुमार मोदी का सम्मान करते प्रादेशिक अध्यक्ष श्री महेश जालान

विश्व योग दिवस के अवसर पर सम्मेलन द्वारा जूम ऐप पर दैनिक "पतंजलि योगशाला" का शुभारंभ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं बिहार के प्रभारी **श्री पवन कुमार सुरेका** के द्वारा किया गया। यह योगशाला प्रतिदिन प्रातः ५.४५ से ७.०० बजे तक अनवरत चल रही है।

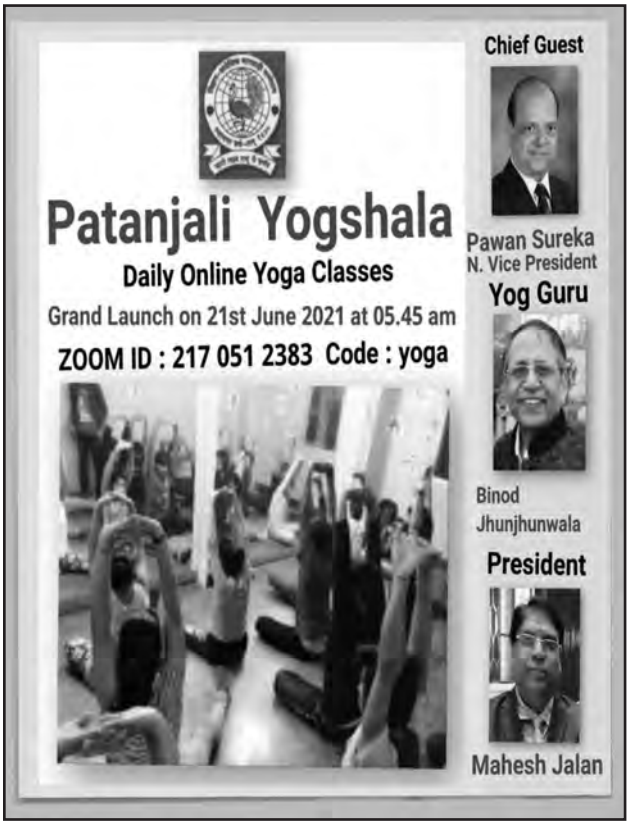

पतंजलि योगशाला

प्रांत के अन्य सभी स्थाई एवं नियमित कार्यक्रम जैसे **अन्नपूर्णा की रसोई** के अन्तर्गत शाखाओं के द्वारा खिचड़ी वितरण, प्राणवायु सेवा के अन्तर्गत ७६ शाखाओं के द्वारा ६५० सिलेन्डरों के माध्यम से ऑक्सीजन सेवा, **मरूधरा** के अन्तर्गत शुद्ध पेयजल योजना, **विकलांगता मुक्त बिहार** के अन्तर्गत कृत्रिम अंग प्रत्यारोपण एवं नेत्र और अन्य ऑपरेशन सुविधाएँ, **जागो जननी जागो** के अन्तर्गत नारी सशक्तिकरण कार्यक्रम, नई रोशनी के अन्तर्गत समाज विकास अभियान, **आत्मनिर्भर समाज कार्यक्रम** के अन्तर्गत जरूरतमंद मारवाड़ी युवक-युवतियों के लिए रोजगार की व्यवस्था और **मंगल मिलन कार्यक्रम** के अन्तर्गत विवाहयोग्य युवक-युवतियों का बायोडाटा ग्रुप "परिणय सूत्र", जिसमें एक हजार से अधिक बायोडाटा उपलब्ध है, अबाध गति से चल रहे हैं।

समरसता

'आओ असमिया सीखें' : गुवाहाटी महिला शाखा की अनूठी पहल

कहते हैं कि मारवाड़ी जहाँ रहते हैं, वही के होकर रह जाते हैं, दूध में चीनी की तरह मिल जाते हैं। इसका एक अनुकरणीय उदाहरण पूर्वोत्तर सम्मेलन की गुवाहाटी महिला शाखा ने प्रस्तुत किया है।

शाखा द्वारा जूम ऐप के माध्यम से असमिया भाषा सीखने के लिए एक पाठ्यक्रम प्रारम्भ किया गया है। गत ३० मई २०२१ को एक समारोह में पाठ्यक्रम का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए गुवाहाटी महिला शाखा की अध्यक्षा **श्रीमती कंचन केजरीवाल** ने कहा कि शिक्षा के लिए उम्र की कोई पाबंदी नहीं होती। हम जहाँ रहते हैं, वहाँ की स्थानीय भाषा का ज्ञान बहुत महत्वपूर्ण है। इससे दोनों समुदायों के सम्बंधों में मजबूती आती है।

मुख्य अतिथि असम साहित्य सभा के महामंत्री **श्री जादव शर्मा** ने अपने संदेश में इसे बच्चों, बुजुर्गों एवं खासकर महिलाओं को असमिया में साक्षर बनाने के प्रयास में बढ़ाया गया एक सुंदर कदम बतलाया। पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष **श्री ओमप्रकाश खंडेलवाल** ने सभी शाखाओं से अपील की कि इस प्रयास को बड़े स्तर पर आगे बढ़ाना चाहिए।

इस प्रकल्प में सलाहकार के तौर पर आमंत्रित सोनाराम उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की प्राचार्या **श्रीमती मंजू बर्मन** तथा एशियन किड्स की प्रिंसिपल **श्रीमती राजलक्ष्मी अग्रवाल** ने भी हर तरह से अपनी सेवाएँ देने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में आमंत्रित विशिष्ट साहित्यकार **श्री कपूरचंद जैन**, ब्रह्मपुत्र साहित्य सभा के अध्यक्ष **श्री किशोर जैन**, कामरूप शाखा के कार्यकारी अध्यक्ष **श्री विनोद लोहिया** आदि ने भी अपने वक्तव्य रखे। प्रशिक्षका **श्रीमती नीलम मुरारका** ने कहा कि समाज की इस तरह सेवा का अवसर पा कर वे गौरवान्वित महसूस कर रही हैं।

(उपर, बायें से : श्रीमती कंचन केजरीवाल, श्री ओम प्रकाश खण्डेलवाल; नीचे, बायें से : श्री कपूरचन्द जैन, श्रीमती सरोज जालान एवं श्रीमती मंजू बर्मन)

शाखा उपाध्यक्ष **श्रीमती रेणु चौधरी**, कोषाध्यक्षा **श्रीमती पुष्पा खेमका**, **सर्वश्रीमती/सुश्री सुनीता कयाल, सत्याबाला भातरा** तथा **हेमलता गोलछा** ने परिचय पाठ किया। मंत्री **श्रीमती सरोज जालान** ने कार्यक्रम का संचालन किया तथा धन्यवाद-ज्ञापन संयुक्त मंत्री **श्रीमती किरण तापड़िया** ने किया।

श्रद्धांजलि

सुप्रसिद्ध उद्योगपति-समाजसेवी एवं साहित्यकार श्री श्याम गोइन्का का गत २४ मई २०२१ को निधन हो गया। आप ८३ वर्ष के थे।

बेंगलुरु प्रवासी स्व. गोइन्का ने अपने पैतृक स्थान चुरु में कई सामाजिक उपक्रम स्थापित किए जिनमें राजकीय गोपीराम गोइन्का हायर सेकेंड्री स्कूल, माँ कमला गोइन्का टाऊन हॉल, पितामह बसेसरलाल गोइन्का खुला रंगमंच आदि उल्लेखनीय हैं।

स्व. गोइन्का अपने माँ के नाम पर स्थापित कमला गइन्का फाउंडेशन (मुम्बई) के माध्यम से साहित्य क्षेत्र में भी अत्यंत सक्रिय थे। फाउंडेशन साहित्यकारों के लिए प्रतिवर्ष बीस से भी अधिक पुरस्कार प्रदान करता है।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की विनय-कृतज्ञ पुष्पांजलि!

पश्चिम बंग सम्मेलन के कोरोना-राहत सेवाकार्य

टीकाकरण अभियान : पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा गत ०१ अप्रैल २०२१ से अम्हर्स्ट स्ट्रीट, कोलकाता स्थित एस.वी.एस. मारवाड़ी अस्पताल में आर्थिक रूप से कमजोर एवं संसाधनहीन लोगों के लिए टीकाकरण अभियान का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम पूरे महीने रोज दो घंटे के लिए चलाया गया और कुल २५० लोगों ने इसका लाभ उठाया। इस अभियान का संयोजन अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की स्वास्थ्य उपसिमिति के चेयरमैन **श्री पवन जालान** ने किया।

संगोष्ठी : कोरोना वायरस के सम्बंध में सदस्यों तक अधिकाधिक जानकारी पहुँचाने और उन्हें सचेत रखने हेतु गत १३ जून २०२१ को एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी को अग्रणी चिकित्सकों **डॉ. स्वाति अग्रवाल** (नेत्र सर्जन, डायरेक्टर एवं कंसल्टेंट, द आइ क्लीनिक, कोलकाता) एवं **डॉ. रवि सरावगी** (कंसल्टेंट इंडोक्रिनोलॉजिस्ट एवं डायबेटोलॉजिस्ट) ने सम्बोधित किया। डॉ. अग्रवाल ने कोरोना वायरस एवं विभिन्न फंगसों के आँखों पर प्रभाव एवं इनसे बचाव के विषय में विस्तार से बताया। उन्होंने सलाह दी कि बच्चों को अगर ऑनलाइन पढ़ाई करनी हो तो बड़े स्क्रीन का प्रयोग करना चाहिए क्योंकि मोबाईल से आँखों पर दबाव पड़ता है। डॉ. रवि सरावगी ने मधुमेह-पीड़ितों के कोरोना-संक्रमण विषय पर विशेष प्रकाश डाला। दोनों चिकित्सकों ने उपस्थितों की शंकाओं का भी बखूबी निवारण किया।

संगोष्ठी का सभापतित्व करते हुए प्रादेशिक अध्यक्ष **श्री नंदकिशोर अग्रवाल** ने चिकित्सकों का हार्दिक स्वागत किया। संगोष्ठी का संयोजन एवं संचालन अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की स्वास्थ्य उपसमिति के चेयरमैन **श्री पवन जालान** ने किया।

बाढ़-तूफान पीड़ितों का सहयोग : पश्चिम बंग सम्मेलन एवं लायंस क्लब के संयुक्त तत्वावधान में सुन्दरवन के बाढ़-पीड़ितों को राहत-सामग्री — खाद्य पदार्थ, साबुन तेल, मच्छरदानी, बिछावन, आदि, का वितरण किया गया। मिदनापुर के दीघा शहर में यास तूफान से प्रभावित लोगों को भोजन एवं ३०० बच्चों को कपड़े दिए गए।

शाखाओं की गतिविधियाँ

सिलीगुड़ी : पश्चिम बंग सम्मेलन की सिलीगुड़ी शाखा ने गत २९ जून २०२१ को स्थानीय सिद्धि विनायक बैंक्वेट हॉल के समक्ष लगभग दो सौ जरूरतमंद लोगों को निःशुल्क भोजन और साथ ही कोरोना से बचाव के लिए मास्क एवं सैनिटाइजर का वितरण किया। शाखाध्यक्ष श्री विष्णु केडिया, शाखासचिव श्री अरुण कन्दोई एवं सक्रिय सदस्यों के सहयोग से यह कार्यक्रम सुचारु रूप से सम्पन्न हुआ।

दार्जिलिंग : पश्चिम बंग सम्मेलन की दार्जिलिंग शाखा द्वारा कोरोनाकाल में जरूरतमंदों को अनाज, दाल, सब्जियाँ, नमक-तेल-मसाले, पी.पी.ई. किट्स, सर्जिकल मास्क, सैनिटाइजर, कम्बल आदि का वितरण किया जा रहा है। यह सत्कार्य कोरोना की पहली लहर एवं अब दूसरी लहर के दौरान भी किया जा रहा है।

कर्सियांग : कर्सियांग शाखा द्वारा गत ०२ जून २०२१ को शहरी

क्षेत्र में लगभग ५०० लोगों को निःशुल्क मास्क एवं सैनिटाइजर वितरित किया गया। शाखाध्यक्ष श्री राजेन्द्र प्रसाद अग्रवाल एवं शाखासचिव श्री रमेश अग्रवाल ने बताया कि कोरोनाजनित हालातों को देखते हुए चायबगान में काम करने वाले और अन्य संसाधनहीन लोगों की मदद के लिए हर सम्भव प्रयास किए जा रहे हैं।

जलपाईगुड़ी और मयनागुड़ी : जलपाईगुड़ी शाखा द्वारा कोरोना-पीड़ित लोगों के परिवारों की सहायता हेतु उन्हें निःशुल्क भोजन

की थाली पहुँचाने का अभियान ५० दिनों तक चलाया गया जिसके तहत कुल ६०० थालियाँ वितरित की गई। शाखा के सदस्यों ने ऑक्सीजन एवं दवायें उपलब्ध कराने तथा रक्तपरीक्षण में भी सहयोग किया।

मयनागुड़ी शाखा ने गत ०१ जून से ०७ जून २०२१ तक सात दिनों का एक कैम्प चलाया जिसमें रोज १०० खाने के डब्बे कोरोना-पीड़ित लोगों में वितरित किए गए।

बांकुड़ा : बांकुड़ा शाखा द्वारा उनके नियमित कार्यक्रम – 'प्रतिभा सम्मान', गणतंत्र दिवस समारोह, सदस्यों के लिए पिकनिक आदि

सुचारु रूप से आयोजित किए गए। शाखा द्वारा बांकुड़ा गोविन्द नगर के मुख्य बस अड्डे के पास पेय जल हेतु २,००० लीटर की दो टंकियाँ आधुनिक तरीके से बनवायी गयी हैं। ज्ञातव्य है कि यहाँ रोज हजारों लोग आते हैं किन्तु यहाँ पेय जल की समुचित व्यवस्था नहीं थी।

शाखा द्वारा यास तूफान से पीड़ित लोगों एवं कोरोना का ईलाज करा रहे लोगों में समय-समय पर राशन सामग्री वितरित की गई। इसके अतिरिक्त गत २७ मई २०२१ को कोरोना-राहत सेाकार्यों में सहयोग हेतु स्थानीय मारवाड़ी युवा मंच को रु. ५१,०००/- का आर्थिक अनुदान दिया गया।

दुर्गापुर : दुर्गापुर शाखा द्वारा अपने नियमित कार्यक्रम यथा गणतंत्र दिवस, स्वतंत्रता दिवस, अग्रसेन जयंती आदि का पालन सुचारु रूप से किया जा रहा है।

कोरोना राहत सेवाकार्य के रूप में शाखा ने ग्रामीण क्षेत्रों में निःशुल्क मास्क वितरण का अभियान चलाया। सामाजिक सेवा की एक अनुकरणीय मिसाल प्रस्तुत करते हुए शाखा के सदस्यों द्वारा स्थानीय श्मशान घाट के जीर्णोद्धार के लिए १५ लाख रुपयों का अनुदान दिया गया है।

रानीगंज : गत २४ जनवरी २०२१ को रानीगंज शाखा द्वारा निःशुल्क डेन्टल चेकअप का आयोजन स्थानीय मारवाड़ी सनातन विद्यालय में किया गया जिसमें ३०० छात्रों का चेकअप किया गया।

गत ०८ फरवरी २०२१ को शाखा द्वारा स्थानीय एन.एस.पी. रोड में जरूरतमंद लोगों में ५०० मास्क और सैनिटाइजर वितरित किए गए। १४ अप्रैल २०२१ को स्थानीय तिलक पुस्तकालय में एक समारोह आयोजित कर प्रमुख समाचार-पत्रों के स्थानीय रिपोर्टरों को 'कोरोना योद्धा प्रेस रिपोर्टर' के रूप में सम्मानित किया गया।

रानीगंज शाखा द्वारा प्रतिदिन जरूरतमंद कोविड-पीड़ितों को निःशुल्क दवाइयाँ, मास्क, सैनिटाइजर, आदि, उपलब्ध कराया जा रहा है। शाखा ने एक निःशुल्क आक्सीजन सिलेण्डर बैंक का भी गठन किया है और इसका लाभ कोविड-रोगियों को प्राप्त हो रहा है।

ज्ञातव्य-ध्यातव्य

विवाह के गठबंधन में क्यों डालते हैं पाँच चीजें

गठबंधन करते समय वधू के पल्लू और वर के दुपट्टे या धोती में सिक्का (पैसा), पुष्प, हल्दी, दूर्वा और अक्षत, ये पाँच चीजें बाँधी जाती हैं। इन सबका अपना-अपना महत्व है।

सिक्का : यह इस बात का प्रतीक है कि धन पर किसी एक का पूर्ण अधिकार नहीं होगा, बल्कि समान अधिकार रहेगा।

पुष्प : प्रतीक है प्रसन्नता और शुभकामनाओं का। दोनों सदैव हँसते-खिलखिलाते रहें। एक-दूसरे को देखकर प्रसन्न हों, एक-दूसरे की प्रशंसा करें।

हल्दी : आरोग्य और गुरु का प्रतीक है। एक-दूसरे के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को ठीक रखने के लिए प्रयत्नशील रहें। मन में कभी हीनता न आने दें। हल्दी छूने से रंग व सुगंध छूने वाले का बढ़ता है। अतः जरूरी निर्णय आपसी परामर्श से करें।

दूर्वा : प्रतीक है प्रेम भावना कभी मुरझाने न देने का। दुर्वा का जीवन तत्व कभी नष्ट नहीं होता। सूखी दिखने पर भी यह पानी डालने पर हरी हो जाती है। ठीक इसी तरह दोनों के मन में एक दूसरे के लिए अटूट प्रेम और आत्मीयता बनी रहे।

अक्षत (चावल) : अन्नपूर्णा का प्रतीक है। जो अन्न कमायें, उसे अकेले नहीं, बल्कि मिल-जुलकर खायें। परिवार के प्रति सेवा और उत्तरदायित्व का लक्ष्य भी ध्यान में रखें।

हमारी परम्परायें तार्किक और गौरवमयी हैं, जरूरत है उन्हें समझने की।

(संकलन : डॉ. जुगल किशोर सर्राफ)

Best wishes from

MERIDIAN®
GROUP

FOUNDATIONS FOR LIFE

Meridian Plaza, 209 C.R.Avenue,
4th Floor, kolkata- 700006
Ph: 033-40083125
Website: www.meridiangrouprealty.in

Apollo
TOUCHING LIVES

Certificate No. : M-0342
NABL Accredited

Apollo Clinic
Expertise. Closer to you.

P-72, Prince Anwar Shah Road, Opp. South City Mall, Kolkata-700 045
Tel. : 4021-2525-55, E-mail : pashahroad@theapolloclinic.com

SERVICES AT A GLANCE

- **Laboratory Services - Advanced Automatic Equipments**
- **Radiology**
  - MRI / CT / Scan | - Digital X-Ray
  - Ultrasonography | - Colour Doppler Study
- **Cardiology**
  - ECG | - Echo-Cardiography
  - Echo-Colour Doppler | - Holter Monitoring
  - Treadmill Test (TMT)
- **Wide Range of Pathology**
- **Pulmonary Function Test**
- **UGI Endoscopy / Colonoscopy**
- **Physiotherapy**
- **EEC / EMG / NCV**
- **General & Cosmetic Dentistry**
- **Elder Care Service**
- **Sleep Study (PSG)**
- **EYE / ENT Care Clinic**
- **Gynae and Obstetric Care Clinic**
- **Haematolgy Clinic**
- **Personalised Care (Injection, Dressing, ECG etc.) at your doorstep**
- **Health Check-up Packages**
- **Online Reporting**
- **Report Delivery**

Home Blood Collection

(033) 4021-2525, 97481-22475

98301 96659

Consultation I Diagnostics I Dentistry I Health Checks

देव-स्तुति

[गतांक से आगे]

– डॉ. जुगल किशोर सर्राफ

ॐ नमो भगवते मन्त्रतत्त्वलिङ्गाय यज्ञक्रतवे महाध्वरावयवाय महापुरुषाय नमः कर्मशुक्लाय त्रियुगाय नमस्ते।

श्री भगवान्, हम विशाल व्यक्ति के रूप में आपको सादर नमस्कार करते हैं। केवल मन्त्रों के उचारण द्वारा ही हम आपको पूरी तरह समझने में सक्षम हो सकते हैं। आप यज्ञरूप हैं, आप क्रतु हैं। इसलिए यज्ञ के समस्त अनुष्ठान आपके दिव्य शरीर के अंशरूप हैं तथा आप ही समस्त यज्ञों के एकमात्र भोक्ता हैं। आपका स्वरूप दिव्य गुणों से युक्त है। आप त्रियुग कहलाते हैं, क्योंकि कलियुग में आपने प्रच्छन्न अवतार लिया है और आप छहों ऋद्धियों के स्वामी हैं।

यस्य स्वरूपं कवयों विपश्चितो
गुणेषु दारूष्विव जातवेदसम्।
मथ्नन्ति मथ्ना मनसा दिदृक्षवो
गूढं क्रियार्थैर्नम ईरितात्मने।।

ऋषि और मुनि काठ में छिपी हुई अग्नि को अरणी द्वारा उत्पन्न करने में समर्थ हैं। हे प्रभो, परम सत्य को समझने में कुशल ऐसे महान व्यक्ति आपको प्रत्येक वस्तु में, यहाँ तक कि अपने शरीर में भी देखने का कोशिश करते हैं, फिर भी आप अप्रकट रहते हैं। आपको मानसिक या भौतिक क्रियाओं जैसी अप्रत्यक्ष प्रक्रियाओं से समझा नहीं जा सकता। क्योंकि आप स्वयं प्रकट होते हैं, इसलिए जब आप देख लेते हैं कि कोई व्यक्ति पूरी तरह से आपकी खोज में संलग्न है तभी आप स्वयं को प्रकट करते हैं। इसलिए मैं आपको सादर नमस्कार करता हूँ।

द्रव्यक्रियाहेत्वयनेशकर्तृभि–
र्मायागुणैर्वस्तुनिरीक्षितात्मने।
अन्वीक्षयाङ्गातिशयात्मयुद्धिभि–
र्निरस्तमायाकृतये नमो नमः।।

भौतिक आनन्द के साधन (ध्वनि, रूप, स्पर्श, गन्ध और स्वाद), ऐन्द्रिय कर्म, इन्द्रियों के अधिष्ठाता देवता, शरीर, अनन्त काल तथा अहंकार, यह समस्त आपके माया से उत्पन्न हैं। जिन्होंने योग के माध्यम से अपनी बुद्धि को स्थिर कर लिया है वे यह देखने में समर्थ है कि ये सभी तत्त्व आपकी माया के ही परिणाम हैं। वे आपके दिव्य स्वरूप को भी प्रत्येक वस्तु की पृष्ठभूमि में परम आत्मा के रूप में देख सकते हैं। इसलिए मैं आपको बारम्बार नमस्कार करता हूँ।

ॐ नमो भगवते उत्तमश्लोकाय नम आर्यलक्षणशीलव्रताय नम उपशिक्षितात्मन उपासितलोकाय नमः साधुवादनिकषणाय नमो ब्रह्मण्यदेवाय महापुरुषाय महाराजाय नम इति।।

हे भगवान्, मैं ॐकार बीजमन्त्र के जप के द्वारा आपको प्रसन्न करना चाहता हूँ। मैं उन भगवान् को नमस्कार करता हूँ, जो उत्तम पुरुषों में सर्वश्रेष्ठ हैं। आप आर्यजनों के सभी उत्तम गुणों के भंडार हैं। आपके चरित्र तथा व्यवहार सर्वदा एक समान रहने वाला है और आप सर्वदा अपनी इन्द्रियों तथा मन को अपने नियन्त्रण में रखने वाले है। एक सामान्य व्यक्ति की तरह आप आदर्श चरित्र प्रस्तुत करके अन्यों को आचरण करना सिखाते हैं। कसौटी केवल स्वर्ण के गुण की परीक्षा करने में समर्थ है, किन्तु आप ऐसे स्पर्श-मणि हैं, जिसके द्वारा सभी उत्तम गुणों की परीक्षा हो जाती है। आप ब्राह्मणों के द्वारा सदैव पूजित हैं, जो समस्त भक्तों में सबसे प्रमुख हैं। हे परम पुरुष, आप महाराजा हैं, इसलिए मैं आपको सादर नमस्कार करता हूँ।

रामादि मूर्तिषु कलानियमेन तिष्ठन्
नानावतारमकरोद्भुवनेषु किन्तु।
कृष्णः स्वयं समभवत् परमः पुमान् यो
गोविन्दमादिपुरुषं तमहं भजामि।।

मैं पूर्ण पुरुषोत्तम भगवान् गोविन्द की आराधना करता हूँ जो राम, नृसिंह जैसे अवतारों तथा उप-अवतारों के रूप में सर्वदा विराजमान हैं, किन्तु जो मूल रूप में भगवान् श्रीकृष्ण हैं और स्वयं भी अवतरित होते हैं।

ॐ नमो भगवते उपशमशीलायोपरतानात्म्याय
नमोऽकिञ्चनवित्ताय ऋषिऋषभाय नरनारायणाय
परमहंसपरमगुरवे आत्मारामाधिपतये नमो नम इति।।

मैं उन श्रीभगवान् नर-नारायण को सादर नमस्कार करता हूँ, जो समस्त सन्त पुरुषों में सर्वश्रेष्ठ हैं। वे अत्यन्त आत्मसंयमित तथा आत्माराम हैं, वे झूठी प्रतिष्ठा से मुक्त हैं और वह उन निर्धनों की सम्यदा हैं जिनके पास कोई भौतिक सम्पदा नहीं हैं। वे मनुष्यों में परम सम्माननीय समस्त परमहंसों के आध्यात्मिक गुरु हैं और आत्मसिद्धों के स्वामी हैं। मैं उनके चरणकमलों को बारम्बार नमस्कार करता हूँ।

गायति चेदम्

कर्तास्य सर्गादिषु यो न बध्यते
न हन्यते देहगतोऽपि दैहिकैः।
द्रष्टुर्न दृग्यस्य गुणैर्विदूष्यते
तस्मै नमोऽसक्ताविविक्तसाक्षिणे।।

सबसे शक्तिशाली ऋषि नारद, निम्नलिखित मन्त्र का जय करके नर-नारायण की आराधना करते हैं –

"पूर्ण पुरुषोत्तम भगवान् इस दृश्य जगत के सृष्टिकर्ता, पालनकर्ता और संहारकर्ता हैं, तो भी वे झूठी प्रतिष्ठा से पूरी तरह मुक्त हैं। यद्यपि मूर्खों के लिए उन्होंने हमारे जैसे भौतिक शरीर धारण करना स्वीकार किया है, किन्तु वह भूख, प्यास तथा थकान जैसे शारीरिक कष्टों से अप्रभावित हैं। यद्यापि वे सर्वद्रष्टा हैं, किन्तु जिन वस्तुओं को वे देखते हैं उनसे उनकी इन्द्रियाँ दूषित नहीं होती। मैं अनासक्त, जगत के साक्षी, परमात्मास्वरूप श्रीभगवान् को बारम्बार नमस्कार करता हूँ।"

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

आजीवन सदस्य

श्री संजीव सितानी दीनाबाजार, जलपाईगुड़ी, प.बं.	**श्री संतोष अग्रवाल** खलीबली मठ, वर्द्धमान, प.बं.	**श्री संतोष कुमार संघाई** एस.एम.पल्ली, मालदा, प.बं.	**श्रीमती संतोष सैंड** स्टेशन रोड, उत्तरी दिनाजपुर, प.बं.	**श्रीमती संतोषी पंचलोरिया** बहिलापाड़ा, वर्द्धमान, प.बं.
श्रीमती सरिता अग्रवाल १९, बी.बी.घोष रोड, वर्द्धमान, प.बं.	**श्रीमती सरिता अग्रवाल** मोहनवाटी, उत्तरी दिनाजपुर, प.बं.	**श्रीमती सरला सरावगी** श्रीपल्ली, वर्द्धमान, प.बं.	**श्रीमती सरोज बंसल** बहीर सरमंगला रोड, वर्द्धमान, प.बं.	**श्री सरोज भीमराजका** उल्लहास, वर्द्धमान, प.बं.
श्रीमती सरोज पारीक ३४६, जी.टी.रोड, वर्द्धमान, प.बं.	**श्रीमती शशि अग्रवाल** बेलुरमठ, हावड़ा, प.बं.	**श्री शशि कानोडिया** दीनाबाजार, जलपाईगुड़ी, प.बं.	**श्री सौरभ गाडिया** श्रीपल्ली, वर्द्धमान, प.बं.	**श्रीमती सीमा झुनझुनवाला** पंजाबीपाड़ा, वर्द्धमान, प.बं.
श्रीमती शालिनी अगरवाला रायगंज, उत्तरी दिनाजपुर, प. बं.	**श्री शंकर लाल चौहान** शहीद वेदी, मालदा, प. बं.	**श्री शंकर लाल गोयल** सीता मैंशन, सिलीगुड़ी, प.बं.	**श्री शंकर लाल मालका (गोयल)** मर्चेंट रोड, जलपाईगुड़ी, प. बं.	**श्री शांतनु केडिया** एस.एफ. रोड, सिलीगुड़ी, प. बं.
श्री शरद सुशील सरावगी विधान रोड, सिलीगुड़ी, प.बं.	**श्रीमती शर्मीला अग्रवाल** रायगंज, उत्तरी दिनाजपुर, प.बं.	**श्री श्रवण सरावगी** १०००, प्रकाश रोड, वर्द्धमान, प.बं.	**श्री शिव प्रसाद शर्मा** बी.बी.डी.मोड़, उत्तरी दिनाजपुर, प.बं.	**श्री शिवम डोकानिया** ९/१२, लालबाजार स्ट्रीट, कोलकाता, प.बं.
श्री श्याम अग्रवाल सेवोक रोड, सिलीगुड़ी, प. बं.	**श्री श्याम सुंदर अग्रवाल** एस.एफ.रोड, सिलीगुड़ी, प.बं.	**श्री श्याम सुंदर बरेलिया** दीनाबाजार, जलपाईगुड़ी, प. बं.	**श्री श्याम सुंदर गाडिया** श्याम बाजार, वर्द्धमान, प.बं.	**श्री श्याम सुंदर कल्याणी** मयनागुड़ी, जलपाईगुड़ी, प.बं.
श्री श्याम सुंदर शर्मा बक्शीराम मार्केट लेन, वर्द्धमान, , प. बं.	**श्री श्यामलाल अग्रवाल** खालपाड़ा, सिलीगुड़ी, प. बं.	**श्री श्यामलाल बंसल** मिलनपल्ली, सिलीगुड़ी, प.बं.	**श्रीमती सीमा अग्रवाल** स्टेशन मोड, बांकुड़ा, प. बं.	**श्री सीताराम गोयनका** बलिया नलाबगंज, मालदा, प.बं.
श्रीमती स्मृति अग्रवाल श्रीपल्ली, वर्द्धमान, प.बं.	**श्रीमती स्नेहा अग्रवाल** मालीबाजार, वर्द्धमान, प.बं.	**श्री सौरभ अग्रवाल** १० नं. साधनापुर रोड, वर्द्धमान, प. बं.	**श्री श्रवण चौधरी** मिलनपल्ली, सिलीगुड़ी, प. बं.	**श्री श्रवण कुमार अग्रवाल** मिलनपल्ली, सिलीगुड़ी, प.बं.
श्री श्रीपत बंथिया बी.बी.घोष रोड, वर्द्धमान, प.बं.	**श्री शुभ बंसल** महावीर स्थान, सिलीगुड़ी, प.बं.	**श्री सुभाष चौधरी** जलपाईगुड़ी, पश्चिम बंगाल	**श्री सुधाकर बेहानी** रविंद्र एवेन्यु, मालदा, प.बं.	**श्री सुदीप कुमार अग्रवाल** पुराना चीना बाजार स्ट्रीट, कोलकाता, प. बं.
श्रीमती सुमन कोचर पूर्वांचल पुलिस लाईन ईस्ट, वर्द्धमान, प.बं.	**श्रीमती सुमन पोद्दार** बड़ा बाजार, वर्द्धमान, प.बं.	**श्री सुमित जैन** नेताजीपल्ली, उत्तरी दिनाजपुर, प.बं.	**श्रीमती सुमिता देवी अगरवाला** एम.जी..रोड, उत्तरी दिनाजपुर, प.बं.	**श्री सुनील अगरवाला** मयनागुड़ी, जलपाईगुड़ी, प.बं.
श्री सुनील केजरीवाल मोल्ला रोड, वर्द्धमान, प.बं.	**श्री सुनील खोरिया** मयनागुड़ी, जलपाईगुड़ी, प.बं.	**श्री सुनील कुमार अग्रवाल** चौक बाजार, दार्जिलिंग, प.बं.	**श्री सुनील कुमार अग्रवाल** नेहरू रोड, दार्जिलिंग, प. बं.	**श्री सुनील कुमार डागा** तेलमारीपाड़ा, वर्द्धमान, प.बं.
श्री सुनील कुमार जैन सुभाष मार्केट, सिलीगुड़ी, प.बं.	**श्री सुनील कुमार केजरीवाल** ८४, एन.एस.रोड, कोलकाता, प.बं.	**श्री सुनील कुमार पंचलोरिया** बहिलापाड़ा, वर्द्धमान, प. बं.	**श्री सुनील कुमार सिंघल** ३ मील, दार्जिलिंग, प.बं.	**श्री सुनील सिंघल** सेवोक रोड, सिलीगुड़ी, प. बं.
श्रीमती सुनीता अग्रवाल दुर्गाबाड़ी, वर्द्धमान, प.बं.	**श्रीमती सुनीता अग्रवाल** मोहनवाटी, उत्तरी दिनाजपुर, प.बं.	**श्रीमती सुनीता बाजला** नेताजीपल्ली, उत्तरी दिनाजपुर, प.बं.	**श्रीमती सुनीता झँवर** जी.टी. रोड, वर्द्धमान, प.बं.	**श्रीमती सुनीता सराफ** रविंद्र सरणी, बांकुड़ा, प. बं.
श्री सूरज डालमिया नेहरू रोड, दार्जिलिंग, प.बं.	**श्री सुरेन महेश्वरी** दीनाबाजार, जलपाईगुड़ी, प.बं.	**श्री सुरेंद्र कुमार शर्मा** कॉलेज रोड, हावड़ा, प.बं.	**श्री सुरेश कुमार अग्रवाल** सिलीगुड़ी, पश्चिम बंगाल	**श्री सुरेश कुमार अगरवाला** एम.जी.रोड, उत्तरी दिनाजपुर, प.बं.
श्री सुरेश कुमार झुनझुनवाला जी.टी.रोड, वर्द्धमान, प.बं.	**श्री सुरेश मलाका** दीनाबाजार, जलपाईगुड़ी, प.बं.	**श्री सुरेश सिंहल** ४१० हिल कोर्ट, सिलीगुड़ी, प.बं.	**श्री सुशील अग्रवाल** सेवोक रोड, सिलीगुड़ी, प.बं.	**श्री सुशील अगरवाला** दीनाबाजार, जलपाईगुड़ी, प.बं.
श्री सुशील कुमार अग्रवाल जोतराम श्रीपल्ली, वर्द्धमान, प.बं.	**श्री सुशील कुमार अग्रवाल** न्यु मिलनपल्ली, सिलीगुड़ी, प.बं.	**श्री सुशील कुमार अगरवाला** शिव मंदिर रोड, सिलीगुड़ी, प.बं.	**श्री सुनील कुमार छाजेर** ८३ जी.टी.रोड, वर्द्धमान, प.बं.	**श्री सुशील कुमार गाडिया** आलमगंज, वर्द्धमान, प.बं.
श्र सुशील कुमार गोयल बादामतल्ला मोड़, वर्द्धमान, प.बं.	श्री सुशील कुमार पंचलोरिया (बरगोटी) बहिलापाड़ा, वर्द्धमान, प.बं.	**श्री सुशील कुमार सिंधी** दीनाबाजार, जलपाईगुड़ी प.बं.	**श्री सुशील कुमार टेकरीवाल** २ नं. गवर्नमेंट कॉलनि, मालदा, प.बं.	**श्री सुशील रामपुरिया** एच.सी. रोड, सिलीगुड़ी प.बं.
श्रीमती स्वीटी अग्रवाल जोतराम श्रीपल्ली, वर्द्धमान, प.बं.	**श्रीमती स्वेता सरावगी** निवेदिता पल्ली, वर्द्धमान, प.बं.	**श्री टोडराम अग्रवाल** मोटर स्टैंड, दार्जिलिंग, प.बं.	**श्री उमेश अगरवाला** जी.टी.रोड, वर्द्धमान, प.बं.	**श्री उमेश चंद्र अगरवाला** न्यु मिलनपल्ली, सिलीगुड़ी, प.बं.
श्री उमेश कुमार अग्रवाल श्रीपल्ली, वर्द्धमान, प.बं.	**श्रीमती उशा देवी गाडिया** श्रीपल्ली, वर्द्धमान, प.बं.	**श्री उत्तम अगरवाला** करणदिघी, उत्तरी दिनाजपुर, प.बं.	**श्री उत्तम गोयल** सेवोक रोड, सिलीगुड़ी, प.बं.	**श्रीमती वंदना टोडानि** श्रीपल्ली, वर्द्धमान, प.बं.

To your taste buds, with love...

Refreshingly, yours.

Indulgently, yours.

Addictively, yours.

Spicily, yours.

Healthily, yours.

Nourishingly, yours.

Delightfully, yours.

Obsessively, yours.

Temptingly, yours.

Passionately, yours.

Snackingly, yours.

Yours Tastefully Anmol™

celebrating 25 years

BISCUITS

www.anmolindustries.com | Follow us on:

RAMKRISHNA FORGINGS LIMITED

RAMKRISHNA FORGINGS LIMITED (RKFL) is India's Second biggest and leading Integrated Forging cum Machining Company. RKFL have Closed Die Forging Hammers, Upsetters, Ring Rolling & Press Lines from 2000 to 12500 Tons. RKFL is a supplier of major OEM's, Tier 1, suppliers globally for Automotive, Mining, Earth Moving, Oil & Gas, Railways and General Engineering Industries.

The Company is accredited with IATF 16949, ISO 14001 (EMS), OSHAS 18001, AS9100D and Testing Laboratories are NABL accredited (ISO/IEC 17025:2005). Its Corporate Office is located is Kolkata & Facilities are in Jamshedpur.

RKFL's product is exported to North America, South America, Europe, Australia, UK, Turkey and Asian Countries.

Regd. & Corporate Office:

23, Circus Avenue, 9th Floor,
Kolkata – 700 017, West Bengal, India.
Office phone : +(91) 033 4082 0900 / 7122 0900
Email – info@ramkrishnaforgings.com
Web site – www.ramkrishnaforgings.com

Overseas Office at:

Detroit-USA, Toluca-Mexico, Istanbul-Turkey.

Plants at:

Plant I, III, IV, V, VI & VII at Jamshedpur, India
Plant: II at Liluah, Howrah, India

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

आजीवन सदस्य

श्री वेदांत बिहानी मयनागुड़ी, जलपाईगुड़ी, प.बं.	**श्री विजय अग्रवाल** सेवोक रोड, सिलीगुड़ी, प.बं.	**श्री विकास पोद्दार** जी.टी.रोड, वर्द्धमान, प.बं.	**श्री विकास अग्रवाल** एन.एस.रोड, उत्तरी दिनाजपुर, प.बं.	**श्री विकास झुनझुनवाला** तारातल्ला रोड, कोलकाता, प.बं.
श्री विक्रम शर्मा गाबगाछी, मालदा, प.बं.	**श्री विनय बजाज** १९३, हिल कार्ट रोड, सिलीगुड़ी, प.बं.	**श्री विनोद अग्रवाल** एम.जी. रोड, उत्तरी दिनाजपुर, प.बं.	**श्री विनोद कुमार गोयल** सेवोक रोड, सिलीगुड़ी प.बं.	**श्री विनोद कुमार झँवर** डी.बी.सी.रोड, जलपाईगुड़ी प.बं.
श्री विशाल अग्रवाल न्यु सिनेमा रोड, सिलीगुड़ी, प.बं.	**श्री विष्णु सिंघल** वी.के. पल्ली, मालदा, प.बं.	**श्री विवेक अग्रवाल** १०९, जी.टी.रोड, वर्द्धमान, प.बं.	**श्री विवेक बैद** सेवोक रोड, सिलीगुड़ी, प.बं.	**श्री विवेक बिहानी** मयनागुड़ी, जलपाईगुड़ी, प.बं.
श्री योगेंद्र गोयल २४, यगंधुराम रोड, सिलीगुड़ी, प. बं.	**श्री योगेश अग्रवाल** चेतन सेठ स्ट्रीट, कोलकाता, प. बं.	**श्री योगेश गर्ग** चौक बाजार, दार्जिलिंग, प.बं.	**श्री संजीव कुमार सुरेका** बासा बाजार, पश्चिम चम्पारण, बिहार	**श्री सुभाष कुमार अग्रवाल** बड़ी दुर्गा स्थान रोड, कटिहार, बिहार
श्री लीलाधर महेश्वरी कालीबाड़ी रोड, सहरसा, बिहार	**श्री दिलीप कुमार महेश्का** गुरुद्वारा लेन, भागलपुर, बिहार	**श्री विष्णु मस्करा** मेन रोड, रक्सौल, बिहार	**श्री कमल मस्करा** रक्सौल, बिहार	**श्री राजकुमार सोमानी** बेतिया, प. चम्पारण, बिहार
श्री राजेश सिकारिया बेतिया, प. चम्पारण, बिहार	**श्री अभिषेक जैन** सुजागंज, भागलपुर, बिहार	**श्री प्रदीप जालान** पटल बाबू रोड, भागलपुर, बिहार	**श्री रवि कुमार रुँगटा** मेन रोड, बेगुसराय, बिहार	**श्री कृष्णा कुमार अग्रवाल** मुंगेरीगंज, बेगुसराय, बिहार
श्री अनुपम मस्करा रिफानरी रोड, बेगुसराय, बिहार	**श्री पवन कुमार अग्रवाल** सालमारी, कटिहार, बिहार	**श्री रौनक अग्रवाल** सुल्तानपुर वरसोई, कटिहार, बिहार	**श्री आशीष कुमार अग्रवाल** सलमारी, कटिहार, बिहार	**श्री जीवन कुमार सिंघानिया** माछहाटा, पटनासिटी, बिहार
श्री अनूप पोद्दार पटनासिटी, पटना, बिहार	**श्री अरूण अग्रवाल** पटनासिटी, पटना, बिहार	**श्रीमती स्वीकृति अग्रवाल** पटनासिटी, पटना, बिहार	**श्री मनीष अग्रवाल** पटनासिटी, पटना, बिहार	**श्री चंद प्रकाश झुनझुनवाला** केशवराय घाट, पटनासिटी, बिहार
श्री सतीश कुमार गोयनका चौक पटनासिटी, पटना, बिहार	**श्री कन्हैया लाल बागला** पटनासिटी, पटना, बिहार	**श्री संजय कुमार राजगढ़िया** पटनासिटी, पटना, बिहार	**श्री उमंग मुरारका** सुजागंज, भागलपुर, बिहार	**श्री ज्योति बेरोलिया** राजेंद्रनगर, पटना, बिहार
श्रीमती सुनिता देवी नगर परिषद, सुपौल, बिहारं.	**श्री सुनील कुमार सोंथलिया** लोहियानगर, सुपौल, बिहार	**श्रीमती शोभा सोंथलिया** लोहियानगर, सुपौल, बिहार	**श्रीमती रिंकी सोंथलिया** लोहियानगर, सुपौल, बिहार	**श्रीमती आशा सोंथलिया** लोहियानगर, सुपौल, बिहार
श्रीमती मनीषा सोंथलिया लोहियानगर, सुपौल, बिहार	**श्रीमती पुनम देवी** लोहियानगर, सुपौल, बिहार	**श्रीमती रीता सरावगी** लोहियानगर, सुपौल, बिहार	**श्री केशव कुमार सोंथलिया** लोहियानगर, सुपौल, बिहार	**श्री प्रमोद दोशी** दक्षिण हतखोला रोड, सुपौल, बिहार
श्री बसंत कुमार दोशी दक्षिण हतखोला रोड, सुपौल, बिहार	**श्री रंजन कुमार जैन** दक्षिण हतखोला रोड, सुपौल, बिहार	**श्री राजश्री जैन** दक्षिण हतखोला रोड, सुपौल, बिहार	**श्री मनोज कुमार अग्रवाल** स्टेशन चौक, सुपौल, बिहार	**श्रीमती कुसुम देवी** स्टेशन चौक, सुपौल, बिहार
श्री बिमल कुमार मोहनका स्टेशन चौक, सुपौल, बिहार	**श्री सुरज अग्रवाल** कंकड़बाग, पटना, बिहार	**श्री दीपक कुमार मोहनका** स्टेशन रोड, सुपौल, बिहार	**श्रीमती कविता देवी** स्टेशन रोड, सुपौल, बिहार	**श्री अजय कुमार मोहनका** स्टेशन रोड, सुपौल, बिहार
श्री श्रवण कुमार मोहनका स्टेशन रोड, सुपौल, बिहार	**श्री विजय कुमार मोहनका** स्टेशन रोड, सुपौल, बिहार	**श्रीमती रश्मि मोहनका** स्टेशन रोड, सुपौल, बिहार	**श्री सुशील कुमार** स्टेशन रोड, सुपौल, बिहार	**श्री अमित कुमार** स्टेशन रोड, सुपौल, बिहार
श्री रमेश कुमार मोहनका स्टेशन रोड, सुपौल, बिहार	**श्री पवन कुमार अग्रवाल** स्टेशन रोड, सुपौल, बिहार	**श्रीमती शारदा अग्रवाल** थाना रोड, सुपौल, बिहार	**श्रीमती सविता जैन** थाना रोड, सुपौल, बिहार	**श्री संजय प्रसाद अग्रवाल** थाना रोड, सुपौल, बिहार
श्री बजरंग जैन थाना रोड, सुपौल, बिहार	**श्रीमती ममता जैन** थाना रोड, सुपौल, बिहार.	**श्री जयंत कुमार जैन** थाना रोड, सुपौल, बिहार.	**श्रीमती सारिका जैन** नगर परिषद, सुपौल, बिहार	**श्री संदीप कुमार अग्रवाल** नगर परिषद, सुपौल, बिहार
श्री पियुष कुमार अग्रवाल नगर परिषद, सुपौल, बिहार्	**श्रीमती रश्मि अग्रवाल** नगर परिषद, सुपौल, बिहार	**श्रीमती रितिका अग्रवाल** नगर परिषद, सुपौल, बिहारं.	**श्रीमती पुष्पा देवी** नगर परिषद, सुपौल, बिहार	**श्री राजेश कुमार** महावीर चौक, सुपौल, बिहार.
श्रीमती सविता जैन चौक, सुपौल, बिहार	**श्री बद्री प्रसाद मिश्रा** उत्तर हतखोला रोड, सुपौल, बिहार	**श्री बद्री प्रसाद मोहनका** स्टेशन रोड, सुपौल, बिहार	**श्री चंदन कुमार गाड़ोदिया** ठाकुरबाड़ी रोड, सुपौल, बिहार	**श्री सुमित सहगल मिश्रा** नौ आना कचहरी रोड, सुपौल, बिहार
श्रीमती संगीता जैन गुदरी बाजार, सुपौल, बिहार	**श्री विनीत कुमार जैन** थाना रोड, सुपौल, बिहार	**श्री राजेश कुमार मोहनका** स्टेशन रोड, सुपौल, बिहार	**श्रीमती पुनम मोहनका** स्टेशन चौक, सुपौल, बिहार	**श्री जय प्रकाश अग्रवाल** स्टेशन रोड, सुपौल, बिहार

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

आजीवन सदस्य

डॉ. विजय कुमार अग्रवाल स्टेशन रोड, सुपौल, बिहार	**श्रीमती रेखा अग्रवाल** स्टेशन रोड, सुपौल, बिहार	**श्री केदारनाथ मिश्रा** उत्तर हतखोला रोड, सुपौल, बिहार	**श्री अंतस अग्रवाल** थाना रोड, सुपौल, बिहार	**श्री रवि कुमार जैन** वार्ड नं.-१२, सुपौल, बिहार
श्रीमती ऋतु जैन वार्ड नं.-१२, सुपौल, बिहार	**श्रीमती रेनु जैन** वार्ड नं.-१२, सुपौल, बिहार	**श्री मिलाप चंद बोथरा** थाना रोड, सुपौल, बिहार	**श्री प्रकास चंद पुगलिया** लहरियासराय, दरभंगा, बिहार	**श्री रानु सुल्तानियाँ** लहरियासराय, दरभंगा, बिहार
श्री अविनाश कुमार सरावगी राम मंदीर, दरभंगा, बिहार	**श्री नवल किशोर चौधरी** कटकी बाजार, दरभंगा, बिहार	**श्री संजय बेरोलिया** बड़ा बाजार, दरभंगा, बिहार	**श्री अनिल कुमार चौधरी** बड़ा बाजार, दरभंगा, बिहार	**श्रीमती विमला देवी** ब्रह्मबाबा मंदीर, दरभंगा, बिहार
श्री राजीव कुमार ब्रह्मबाबा मंदीर, दरभंगा, बिहार	**श्रीमती सुशीला देवी पंसारी** लाल बाग, दरभंगा, बिहार	**श्री पंकज कुमार कनडोई** गंगलागढ़, दरभंगा, बिहार	**श्री पवन कुमार लोहारिका** सुभाष चौक, भागलपुर, बिहार	**श्री मनीष कुमार बगडिया** सुजागंज, भागलपुर, बिहार
श्री रंजीत कुमार शिवानीवाल मारवाड़ी टोला लेन, भागलपुर, बिहार	**श्री नवल किशोर दारुका** पटल बाबू रोड, भागलपुर, बिहार	**श्री सुमित कुमार जैन** एम.पी.द्विवेदी रोड, भागलपुर, बिहार	**श्री अश्विनी जोशी** चूनरी टोला, भागलपुर, बिहार	**श्री अतुल कुमार भिवानीवाला** सखी शाह लेन, भागलपुर, बिहार
श्री अरूण कुमार किशोरपुरिया डी.एन.सिंह रोड, भागलपुर, बिहार	**श्री सौरभ कुमार अग्रवाल** स्टेशन रोड, भागलपुर, बिहार	**श्री आशीष नवलगाड़िया** मुनीचक, भागलपुर, बिहार	**श्री मुकेश कावरियाँ** सुजागंज, बेगूसराय, बिहार	**श्री राजेश मास्करा** मस्जिद चौक, बेगूसराय, बिहार
श्री सुमन कुमार शर्मा मेन रोड, बेगुसराय, बिहार	**श्री संदीप कुमार कौशिक** जी.डी.कॉलेज रोड, बेगुसराय, बिहार	**श्रीमती पुजा कुमारी** पटेल चौक, बेगूसराय, बिहार	**श्री रवि कुमार शर्मा** पटेल चौक, बेगूसराय, बिहार	**श्री सौम्य शर्मा** मेन रोड, बेगूसराय,, बिहार
श्री नितेश कुमार सराफ वार्ड नं.-१२, रोसड़ा, बिहार	**श्री रमण कुमार बजाज** वार्ड-१२, महावीर स्थान, रोसड़ा, बिहार	**श्री विकास कुमार** वार्ड नं.-१४, रोसड़, बिहार	**श्री सुनील कुमार शर्मा** रोसड़, बिहार	**श्री कैलाश खेमका** पटना, बिहार
श्री राकेश कुमार लखोटिया महावीर चौक, रोसड़, बिहार	**श्री संतोष कुमार केडिया** मसरफ बजार, दरभंगा, बिहार	**श्री अनिल कुमार** शिवाजी नगर, दरभंगा, बिहार	**श्री बालमुकुंद अग्रवाल** झाउगंज, पटनासिटी, बिहार	**श्री प्रकाश सुल्तानिया** घाघगली, पटनासिटी, बिहार
श्री राकेश शाह खाजिकाला, पटनासिटी, बिहार	**श्री संजय कुमार बुबना** अर्यनगर, पटनासिटी, बिहार	**श्री जगदीश मल लोढ़ा** झाउगंज, पटनासिटी, बिहार	**डॉ. रवि कुमार खण्डेलवाल** जगदेवपथ, पटना, बिहार	**श्री सुमित कुमार** एस.के. नगर, पटना, बिहार
श्री विश्वम्भर अग्रवाल राजा बाजार, पटना, बिहार	**श्री संजय अग्रवाल** दानापुर कैंट, पटना, बिहार	**श्री मोहन लाल केजरीवाल** सिकंदरपुर, मुजफ्फरपुर, बिहार	**श्री कृष्णा कुमार अग्रवाल** सरैयागंज, मुजफ्फरपुर, बिहार	**श्री अनिल अग्रवाल** जवाहार लाल रोड, मुजफ्फरपुर, बिहार
श्री संजय भरतिया हरिसभा चौक, मुजफ्फरपुर, बिहार	**श्री शम्भू कुमार अग्रवाल** मीरा सिनेमा रोड, सहरसा, बिहार	**श्री ओम प्रकाश अग्रवाल** चाणक्यपुरी, सहरसा, बिहार	**श्री गौतम मित्तल** गंगजाला, सहरसा, बिहार	**श्री महेश चिरानीवाला** मीरा सिनेमा रोड, सहरसा, बिहार
श्री अशोक कुमार केडिया डी.बी. रोड, सहरसा, बिहार	**श्री मुरारी कुमार दहलान** दहलान रोड, सहरसा, बिहार	**श्री गिरधारी कुमार दहलन** कपड़ा पट्टी, सहरसा, बिहार	**श्री वैभव भिमसरिया** धर्मशाला रोड, सहरसा, बिहार	**श्री अभिषेक मित्तल** केदारनाथ रोड, मुजफ्फरपुर, बिहार
श्री राजेश कुमार पचेरिया धर्मशाला रोड, सहरसा, बिहार	**श्री सुमित नेवाटिया** मेन रोड, मधेपुरा, बिहार	**श्री अनिल कुमार अग्रवाल** चौसा, मधेपुरा, बिहार	**श्री सुनील अग्रवाल** चौसा. मधेपुरा, बिहार	**श्री अनिल कुमार मुंका** चौसा. मधेपुरा, बिहार
श्री मोहन कुमार मुंका चौसा. मधेपुरा, बिहार	**श्री नित्तम कुमार अग्रवाल** चौसा, मधेपुरा, बिहार	**श्री चितरंजन कुमार अग्रवाल** चौसा. मधेपुरा, बिहार	**श्री नवल किशोर मुंका** चौसा. मधेपुरा, बिहार	**श्री महेश कुमार अग्रवाल** आलमनगर, मधेपुरा, बिहार
श्री श्रवण कुमार अग्रवाल आलमनगर. मधेपुरा, बिहार	**श्री अरविंद कुमार** आलमनगर. मधेपुरा, बिहार.	**श्री सज्जन अग्रवाल** आलमनगर. मधेपुरा, बिहार	**श्री राम गोपाल पंसारी** आलमनगर. मधेपुरा, बिहार	**श्री अरविंद कुमार हरलालका** आलमनगर. मधेपुरा, बिहार
श्री विजय कुमार सुरेका आलमनगर. मधेपुरा, बिहार	**श्री अरुण कुमार सुरेका** आलमनगर. मधेपुरा, बिहार	**श्री सुशील कुमार हरलालका** आलमनगर. मधेपुरा, बिहार	**श्री सज्जन कुमार अग्रवाल** आलमनगर. मधेपुरा, बिहार	**श्री मुकेश कुमार सुरेका** आलमनगर. मधेपुरा, बिहार
श्री उमेश कुमार सुरेका आलमनगर. मधेपुरा, बिहार	**श्री दीपक कुमार अग्रवाल** आलमनगर. मधेपुरा, बिहार	**श्री शंकर कुमार सुरेका** आलमनगर. मधेपुरा, बिहार	**श्री अनुप कुमार सुरेका** आलमनगर. मधेपुरा, बिहार	**श्री राजेश कुमार खेतान** जमालपुर गोगरी, जी.खगडिया, बिहार
श्रीमती राधा केजरीवाल सुतापट्टी, मुजफ्फरपुर, बिहार	**श्री राम गोपाल जलान** सिकंदरपुर, मुजफ्फरपुर, बिहार	**श्री कृष्णा मुरारी भरतिया** सिकंदरपुर, मुजफ्फरपुर, बिहार	**श्रीमती सुनंदा लखोटिया** रोसड़, समस्तीपुर, बिहार	**श्री यसस जैन** रोसड़, समस्तीपुर, बिहार

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

आजीवन सदस्य

श्रीमती नीलम देवी मालो रोसड़, समस्तीपुर, बिहार	**श्री ब्रज किशोर पचेरिवाला** चौराहा, पटना, बिहार	**श्री मयंक कुमार** शाह मार्केट, भागलपुर, बिहार	**श्रीमती नीतू केजरीवाल** सुतापट्टी, मुजफ्फरपुर, बिहार	**श्री विनीत गुप्ता** पटना, बिहार
श्री मुकेश कुमार गुप्ता पटना, बिहार	**श्री सुरेश प्रसाद अग्रवाल** दलदली रोड, पटना, बिहार	**श्रीमती पुष्पा देवी** दलदली रोड, पटना, बिहार	**श्री विकी अग्रवाल** भट्टाचार्य रोड, पटना, बिहार	**श्री विकास कुमार** सब्जीबाग, भागलपुर, बिहार
श्री सौरभ रुंगटा कहलगांव, मुजफ्फरपुर, बिहार	**श्री विनोद कुमार अग्रवाल** सरैयागंज, मुजफ्फरपुर, बिहार	**श्री भरत कुमार झुनझुनवाला** सरैयागंज, प. चम्पारण, बिहार	**श्री राकेश कुमार गोयल** बेतिया, प. चम्पारण, बिहार	**श्री देवकी नंदन क्याल** बेतिया, बिहार
श्री गौरव कुमार पोद्दार मेन रोड, प. चम्पारण, बिहार	**श्री मनीष कुमार केशाव** बेतिया, प. चम्पारण, बिहार	**श्री गौतम कुमार पोद्दार** बेतिया, प. चम्पारण, बिहार	**श्री मनोज कुमार खेतान** बेतिया, प. चम्पारण, बिहार	**श्री राजेश कुमार गोयेनका** बेतिया, प. चम्पारण, बिहार
श्री रेवाती रमण लुंडिया बेतिया, सीतामढ़ी, बिहार	**श्री मिथलेश कुमार धनधानिया** जनकपुर रोड, सीतामढ़ी, बिहार	**श्री राजा ढ़ाँढ़निया** जनकपुर रोड, सारण, बिहार	**श्री अमित कुमार बजाज** साहेबगंज, सारण, बिहार	**श्री राम बाबू केजरीवाल** छपरा, सारण, बिहार
श्री राम गोविंद बजाज छपरा, सारण, बिहार	**श्री राज कुमार मिश्रा** छपरा, सारण, बिहार	**श्री विजय कुमार चौधरी** छपरा, सारण, बिहार	**श्री सुसिल पोद्दार** छपरा, सारण, बिहार	**श्री कौशल किशोर** छपरा, सारण, बिहार
श्री अनिल कुमार भरतिया पुरानी गुरहट्टी, छपरा, बिहार	**श्री प्रत्युश कुमार** छपरा, सारण, बिहार	**श्री गोविंद लाठ** छपरा, सारण, बिहार	**श्री प्रह्लाद कुमार सोनी** छपरा, सारण, बिहार	**श्री दिलीप कुमार रुंगटा** कंकड़बाग, पटना, बिहार
श्रीमती सोना जजोदिया रोसड़, समस्तीपुर, बिहार	**श्री राहुल कुमार अग्रवाल** रोसड़, समस्तीपुर, बिहार	**श्री श्याम कुमार सराफ** सुतापट्टी, मुजफ्फरपुर, बिहार	**श्री संजय कुमार मोदी** लोदी कटरा, पटनासिटी, बिहार	**श्री चंद्र शेखर प्रसाद** नई सड़क चौक, पटनासिटी, बिहार
श्रीमती मिनू अग्रवाल हरि मंदिर गली, पटनासिटी, बिहार	**श्री रवि अग्रवाल** चौक, पटनासिटी, बिहार	**श्री गिरधारी लाल मोदी** चौक, पटनासिटी, बिहार	**श्री अंकित अग्रवाल** चौक, पटनासिटी, बिहार	**श्री अशीष अग्रवाल** चौक, पटनासिटी, बिहार
श्री बसंत सुल्तानियाँ मच्छरहट्टा, पटनासिटी, बिहार	**श्री सौरव शारदा** गंगाबाबू, पटनासिटी, बिहार	**श्री अशोक कुमार दायमा** पटनासिटी, बिहार	**श्री गिरधारी लाल खेतान** झाउगंज, पटनासिटी, बिहार	**श्री सागर बंका** मच्छरहट्टा, पटनासिटी, बिहार
श्री सुखराज जैन पटनासिटी, बिहार	**श्री बलवंत शर्मा** कचहरी रोड, पटनासिटी, बिहार	**डॉ. अभिषेक गोलवाड़ा** चौक, पटनासिटी, बिहार	**श्री विष्णु अग्रवाल** धर्मशाला गली, पटनासिटी, बिहार	**श्री अमित कुमार बंका** पटनासिटी, बिहार
श्री रमेश कुमार टेकरीवाल चौक, पटनासिटी, बिहार	**श्री संजय झुनझुनवाला** केशव राय घाट चौक, पटनासिटी, बिहार	**श्री संदीप बूबना** नई सड़क चौक, पटनासिटी, बिहार	**श्री अशीष बूबना** नई सड़क चौक, पटनासिटी, बिहार	**श्री सुभाष बूबना** नई सड़क चौक, पटनासिटी, बिहार
श्री शंभू प्रकाश शाह मलसलामी, पटनासिटी, बिहार	**श्री मोहित मुरारका** घाघा गली चौक, पटनासिटी, बिहार	**श्री मुकेश कुमार मोदी** बी.एल.मार्केट, पटनासिटी, बिहार	**श्री सुनील कुमार झुनझुनवाला** लोदी कटरा, पटनासिटी, बिहार	**श्री मनोज कुमार शर्मा** कचौड़ी गली, पटनासिटी, बिहार
श्री हर्ष केडिया फुल्लौड़ीगंज, पटनासिटी, बिहार	**श्री प्रदीप कुमार जलान** मलसलामी, पटनासिटी, बिहार	**श्री भरत प्रकाश शाह** मलसलामी, पटनासिटी, बिहार	**श्री ओम प्रकाश शाह** मलसलामी, पटनासिटी, बिहार	**श्री गौरव शाह** मलसलामी, पटनासिटी, बिहार
श्री विवेक शाह मलसलामी, पटनासिटी, बिहार	**श्री पंकज शाह** मलसलामी, पटनासिटी, बिहार	**श्री रौनक शाह** मलसलामी, पटनासिटी, बिहार	**श्री रमन प्रकाश शाह** मलसलामी, पटनासिटी, बिहार	**श्री लक्ष्मण प्रकाश शाह** मलसलामी, पटनासिटी, बिहार
श्री हर्ष शाह मलसलामी, पटनासिटी, बिहार	**श्रीमती कंचन जगनानी** रामबाग, पटनासिटी, बिहार.	**श्री अर्नव कुमार जगनानी** मलसलामी, पटनासिटी, बिहार	**श्री राम कृष्ण कुमार केशान** बैंक रोड, रक्सौल, बिहार	**श्री उमेश कुमार अग्रवाल** बोरिंग कैनल रोड, पटना, बिहार
श्री तारा चंद अग्रवाल बखरी बाजार, बेगूसराय, बिहार	**श्री अंकित कुमार** बखरी बाजार, बेगूसराय, बिहार	**श्री अमित कुमार जालान** बखरी बाजार, बेगुसराय, बिहार	**श्री रोशन लाल अग्रवाल** नागा रोड, रक्सौल, बिहार	**श्रीमती रिंकु मोदी** राजेन्द्र नगर, पटना, बिहार
डॉ. चारू मोदी राजेन्द्र नगर, पटना, बिहार	**श्री नीरज अग्रवाल** बोरिंग रोड, पटना, बिहार	**श्री संजय कुमार लाठ** खरमनचक, भागलपुर, बिहार	**श्री राजेश कुमार मावंडिया** खरमनचक, भागलपुर, बिहार	**श्री आनंद कुमार पोद्दार** नया बाजार, भागलपुर, बिहार
श्री आदित्य जैन मारवाड़ी टोला लेन, भागलपुर, बिहार	**श्री अमित कुमार** गिरधारी साहा होटी, भागलपुर, बिहार	**श्री अमित कुमार मावंडिया** आर.पी. रोड, भागलपुर, बिहार	**श्री मनोज खेतान** भागलपुर, बिहार	**श्री संदीप कुमार जैन** सराय रोड, भागलपुर, बिहार

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

आजीवन सदस्य

श्री गौतम सिंघानेका डी.एन. सिंह रोड, भागलपुर, बिहार	**श्री मनीष कुमार टिबड़ेवाल** सुजागंज, भागलपुर, बिहार	**श्री अंकित गुड्डेवाला** एम.पी. द्विवेदी, भागलपुर, बिहार	**श्री दिलीप कुमार गुड्डेवाला** कलाली गली, भागलपुर, बिहार	**श्रीमती शिल्पा राय** ग्राम+ पो.-सबोर, भागलपुर, बिहार
श्री अनिल झुनझुनवाला टोडरमल लेन, भागलपुर, बिहार	**श्री सुशील गोयल** कदमकुँआ, पटना, बिहार	**श्री किशन प्रसाद कौशिक** अनाथालय रोड, कटिहार, बिहार	**श्री रमेन्द्र कुमार अग्रवाल** दरियापुर, पटना, बिहार	**श्रीमती मधु अग्रवाल** राजेन्द्र नगर, पटना, बिहार
श्रीमती रेणु डालमिया कृष्ण प्रकाश पथ, गया, बिहार	**श्री आशुतोष संघाई** धर्मशाला रोड, सहरसा, बिहार	**श्री आनंद कुमार संघाई** धर्मशाला रोड, सहरसा, बिहार	**श्री शुभम अग्रवाल** रॉयल गार्डेन, पटना, बिहार	**श्री अंकित कुमार सर्राफ** सबोर, भागलपुर, बिहार
श्री महेश कुमार बंका नया बाजार, लक्खीसराय, बिहार	**श्री उत्तम कुमार टिबड़ेवाल** सदेलपुर, पटना, बिहार	**श्री अनिल अग्रवाल** दानापुर कैंट, पटना, बिहार	**श्री दिलीप कुमार अग्रवाल** पदम गैस गली, फारबिसगंज, बिहार	**श्री सँवरमल अग्रवाल** सुन्दर लेन, फारबिसगंज, बिहार
श्री जिनेन्द्र कुमार जैन आर.एन. दत्ता रोड, फारबिसगंज, बिहार	**श्री टेक चंद अग्रवाल** वार्ड नं.-१८, फारबिसगंज, बिहार	**श्री मुकेश कुमार लाखोटिया** दत्ता रोड, फारबिसगंज, बिहार	**श्री राम गोपाल गोयल** चकरदाहा, फारबिसगंज, बिहार	**श्री निशांत गोयल** भाग कोठलिया, फारबिसगंज, बिहार
श्री विक्रम कुमार अग्रवाल भाग कोठलिया, फारबिसगंज, बिहार	**श्री जय प्रकाश अग्रवाल** पटवाहा, फारबिसगंज, बिहार	**श्री बिनोद सरावगी** सदर रोड, फारबिसगंज, बिहार	**श्री जय प्रकाश अग्रवाल** डी. डी. रोड, फारबिसगंज, बिहार	**श्री निर्मल कुमार अग्रवाल** आर.एम.लोहिया पथ, फारबिसगंज, बिहार
श्री जय प्रकाश अग्रवाल एस.के. रोड, फारबिसगंज, बिहार	**श्री दिनेश गोल्छा** अरूण गोल्छा पथ, फारबिसगंज , बिहार	**श्री अनुराग बनवाला** एस.के. रोड, फारबिसगंज, बिहार	**श्री किशोर कुमार दुग्गड़** गोयथी गोला, फारबिसगंज, बिहार	**श्री अजय कुमार अग्रवाल** आर.एन. दत्ता, फारबिसगंज, बिहार
श्री भीम कुमार अग्रवाल फारबिसगंज, अररिया, बिहार	**श्री प्रितम कुमार जिंदल** फारबिसगंज, अररिया, बिहार	**श्री नरेन्द्र शर्मा** फारबिसगंज, अररिया , बिहार	**श्री हेमन्त कुमार बोथरा** फारबिसगंज, अररिया , बिहार	**श्री पदम कुमार बदरिया** फारबिसगंज, अररिया , बिहार
श्री विनोद कुमार जालान फारबिसगंज, अररिया , बिहार	**श्री सौरभ दुग्गड़** फारबिसगंज, अररिया, बिहार	**श्री आदर्श गोयल** आर.बी. लेन, अररिया , बिहार	**श्री ललित कुमार अग्रवाल** आर.बी. लेन, अररिया, बिहार	**श्री अमित गोयल** आर.बी. लेन, अररिया, बिहार
श्री राणु कुमार चैनवाला हथखोला, अररिया , बिहार	**श्री रौशन सेठीया** आर.बी. लेन, अररिया, बिहार	**श्री धनराज वैद्य** दीन दयाल चौक, अररिया , बिहार	**श्री मनोज कुमार अग्रवाल** एस.के. रोड, अररिया, बिहार	**श्री शितल कुमार अग्रवाल** फारबिसगंज, अररिया, बिहार
श्री जय कुमार अग्रवाल फारबिसगंज, अररिया, बिहार	**श्री अमर डाबरीवाला** फारबिसगंज, अररिया, बिहार	**श्री प्रदीप कुमार अग्रवाल** फारबिसगंज, अररिया, बिहार	**श्री पंकज कुमार पटवारी** फारबिसगंज, अररिया, बिहार	**श्री हरिस कुमार गोयल** फारबिसगंज, अररिया, बिहार
श्री दिनेश कुमार अग्रवाल फारबिसगंज, अररिया, बिहार	**श्री झँवर लाल डागा** फारबिसगंज, अररिया, बिहार	**श्री विजय कुमार लाखोटिया** फारबिसगंज, अररिया, बिहार	**श्री शम्भु दयाल अग्रवाल** फारबिसगंज, अररिया, बिहार	**श्री शंकर लाल बैद्** फारबिसगंज, अररिया, बिहार
श्री अलोक कुमार अग्रवाल फारबिसगंज, अररिया, बिहार	**श्री कमलेश बैद्** फारबिसगंज, अररिया, बिहार	**श्री अशोक कुमार दुग्गड़** फारबिसगंज, अररिया, बिहार	**श्री संजय कुमार दुग्गड़** फारबिसगंज, अररिया, बिहार	**श्री संजय अग्रवाल** फारबिसगंज, अररिया, बिहार
श्री बिमल कुमार बनवाला फारबिसगंज, अररिया, बिहार	**श्री रमेश कुमार बियानी** फारबिसगंज, अररिया, बिहार	**श्री अजीत डागा** फारबिसगंज, अररिया, बिहार	**श्री दीपक कुमार अग्रवाल** फारबिसगंज, अररिया, बिहार	**श्री बच्छराज छाजेड़** फारबिसगंज, अररिया, बिहार
श्री विजय गौतम फारबिसगंज, अररिया, बिहार	**श्री विनय गौतम** फारबिसगंज, अररिया, बिहार	**श्री अमित कुमार गौतम** फारबिसगंज, अररिया, बिहार	**श्री अंजनी गौतम** फारबिसगंज, अररिया, बिहार	**श्री चन्द्रसेन गौतम** फारबिसगंज, अररिया, बिहार
श्री पवन कुमार गौतम फारबिसगंज, अररिया, बिहार	**श्री हेमन्त सिखवाल** फारबिसगंज, अररिया, बिहार	**श्री रमेश कुमार बहेती** फारबिसगंज, अररिया, बिहार	**श्री विमल कुमार पांडिया** फारबिसगंज, अररिया, बिहार	**श्री राजेश कुमार अग्रवाल** फारबिसगंज, अररिया, बिहार
श्री श्याम सुन्दर चोखानी फारबिसगंज, अररिया, बिहार	**श्री राजेन्द्र बोथरा** फारबिसगंज, अररिया, बिहार	**श्री नथमल सुरेका** फारबिसगंज, अररियाा, बिहार	**श्री शम्भु गोयल** फारबिसगंज, अररिया, बिहार	**श्री मनोज कुमार अग्रवाल** फारबिसगंज, अररिया, बिहार
श्री शंकर लाल माहेश्वरी फारबिसगंज, अररिया, बिहार	**श्री सुशील कुमार सोमानी** फारबिसगंज, अररिया, बिहार	**श्री अमित अग्रवाल** फारबिसगंज, अररिया, बिहार	**श्री हरिश कुमार अग्रवाल** फारबिसगंज, अररिया, बिहार	**श्री किशन लाल लाखोटिया** फारबिसगंज, अररिया, बिहार
श्री रामअवतार लाखोटिया फारबिसगंज, अररिया, बिहार	**श्री संजय बयानवाला** फारबिसगंज, अररिया, बिहार	**श्री संतोष कुमार अग्रवाल** फारबिसगंज, अररिया, बिहार	**श्री कमल दुग्गड़** फारबिसगंज, अररिया, बिहार	**श्री विरेन्द्र राजगढ़िया** फारबिसगंज, अररिया, बिहार

S R RUNGTA GROUP
Rungta Mines Limited
Chaibasa
RUNGTA STEEL™
SOLID STEEL
Superior Technology
Greater Strength
Extreme Flexibility
500D
TMT REBARS
STEEL DIVISION
RUNGTA CHAMBERS
S.M.H.M.V. COMPLEX, CHAIBASA -833201
WEST SINGHBHUM, JHARKHAND, INDIA
Contact :
+91-6582-255261/ 361
+91-7008-012240
tmtmkt@rungtamines.com
csp@rungtamines.com
Approved by IS 1786:2008
Lic.No.-CM/L 5800021706
Approved by IS 2830:2012
Lic.No.-CM/L 5800007712

REGISTERED Postal Registration
No. KOLRMS/93/2021-2023
Date of Publication - 30th June 2021
RNI Regd. No. 2866/1968

MUSCLE TEE

RUPA®
FRONTLINE
HUNK

IS THERE A HUNK IN YOU?
www.rupa.co.in | Toll-Free No.: 1800 1235 001 | www.rupaonlinestore.com

From :
All India Marwari Federation
4B, Duckback House
41, Shakespeare Sarani, Kolkata-17
Phone : (033) 4004 4089
E-mail : aimf1935@gmail.com